

//-- सुविचार --//

आज आप जो दर्द महसूस करते हैं, वही कल आपकी ताकत बन जायेगा।

सूर्योदय/सूर्यास्त

उदय : 05:06
अस्त : 06:39

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.0	21.0
जमशेदपुर	32.0	25.0
हजारीबाग	32.0	23.0
डाल्टनगंज	34.0	25.0

संक्षिप्त खबरें

धनबाद में प्रिंस खान पर बड़ा एवशन, भगोड़े गैंगस्टर के घर पर चला बुलडोजर

धनबाद। धनबाद पुलिस ने भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए वासेपुर स्थित उसके घर पर बुलडोजर चलाया। कोर्ट के कुर्की-जब्तों आदेश के तहत की गई इस कार्रवाई के दौरान पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। तीन डीएस्पी, छह थानों की पुलिस और भारी सुरक्षा बल की मौजूदगी में मकान को ध्वस्त किया गया। पुलिस का कहना है कि लगातार जब्त की कार्रवाई के कारण मकान जर्जर हो चुका था, जिसे सुरक्षा के मद्देनजर गिराया गया। पूरे अभियान की वीडियोग्राफी भी कराई गई। शनिवार सुबह धनबाद पुलिस को टीम भारी सुरक्षा व्यवस्था के साथ वासेपुर पहुंची। एसएसपी प्रभात कुमार के निर्देश पर कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस खान के घर की कुर्की-जब्तों की कार्रवाई की गई। इस दौरान बुलडोजर से जर्जर मकान को ध्वस्त किया गया।

» पेज 9 भी देखें

रिलायंस कैपिटल के पूर्व सीएफओ अभित बापना गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के पूर्व मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अभित बापना को रिलायंस एडीए ग्रुप से जुड़े बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया कि एजेंसी की जांच में सामने आया कि अगस्त 2014 से दिसंबर 2019 तक कंपनी के सीएफओ रहे बापना ने कंपनी की वित्तीय गतिविधियों में अहम भूमिका निभाई और ऐसे ऋणों को मंजूरी दी जो भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से लिए गए उधार की शर्तों के विपरीत थे। जांच में पाया गया कि रिलायंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एससीएसएल) द्वारा लिए गए ऋणों को विभिन्न मध्यस्थ कंपनियों के जरिए रिलायंस एडीए ग्रुप की अन्य कंपनी रिलायंस कैपिटल, रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर और रिलायंस फायर में स्थानांतरित किया गया, जिससे बैंकों को नुकसान हुआ।

निवेश

एआई आधारित सुशासन और डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में झारखण्ड का बड़ा कदम

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन राष्ट्रीय मंच पर रखेंगे राज्य का डिजिटल रोडमैप

रांची आईटी पार्क और एआई मिशन के जरिए निवेश आकर्षित करने की होगी पहल

प्रस्तावित राज्यीय एआई मिशन एवं ड्राफ्ट एआई पॉलिसी-2026 पर प्रमुख हितधारकों के साथ विचार-विमर्श होगा

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल गवर्नेंस और आईटी निवेश के क्षेत्र में झारखण्ड राष्ट्रीय स्तर पर अपनी नई पहचान बनाने की दिशा में बड़ा कदम



उठाने जा रहा है। 8 और 9 जुलाई, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन-2026 में मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन राज्य का डिजिटल

उद्योग जगत और नीति-निर्माताओं के समक्ष रखी जाएगी। राष्ट्रीय स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन का उद्देश्य झारखण्ड को भारत के एआई परिदृश्य में एक ऐसे राज्य के रूप में स्थापित करना है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को केवल तकनीकी नवाचार के रूप में नहीं, बल्कि सुशासन, पारदर्शिता एवं नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण के प्रभावी माध्यम के रूप में अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम के पहले दिन देश-विदेश की लगभग 100 अग्रणी टेक एवं आईटी कंपनियों के प्रतिनिधि तथा राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी दो अलग-अलग सत्रों में भाग लेंगे। नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन-2026 के जरिए झारखण्ड सरकार

कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। राज्य में प्रतिवर्ष 20,000 से अधिक आईटी स्नातकों की उपलब्धता तथा झारखंड आईटी नीति-2023 के अंतर्गत पूर्वी भारत में सर्वाधिक आकर्षक प्रोत्साहनों- 50 प्रतिशत पूंजीगत निवेश प्रतिपूर्ति, 100 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क छूट एवं 100 प्रतिशत विद्युत शुल्क छूट जैसे प्रावधानों को उद्योग जगत के समक्ष रखा जाएगा।

ड्राफ्ट एआई पॉलिसी-2026 पर होगा मंथन

कंसल्टेशन के दौरान विभाग द्वारा ड्राफ्ट एआई पॉलिसी-2026 भी प्रमुख हितधारकों के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी जो वर्ष 2026-2031 की अवधि के लिए होगी। प्रस्तावित नीति के तहत मुख्यमंत्री की

संसाधन प्रशासन पर केंद्रित है, जो भारत सरकार की AI for All अवधारणा के अनुरूप है। नेशनल स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेशन में मुख्यमंत्री डेता इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म की अवधारणा भी प्रस्तुत की जाएगी। यह प्रस्तावित एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म विभिन्न विभागों के आंकड़ों को एकीकृत कर योजनाओं की प्रभावी निगरानी, निर्णय प्रक्रिया को सशक्त बनाने तथा व्हाट्सएप एवं पंचायत भवनों में स्थापित डिजिटल कियोस्क के माध्यम से स्थानीय भाषाओं में नागरिकों तक सेवाएं एवं फीडबैक तंत्र उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगा। इसके साथ एक प्रस्तावित इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की अवधारणा भी साझा की जाएगी।

बिहार में निर्माणाधीन ताजपुर-बख्तियारपुर गंगा सेतु का स्लैब गिरा, छह मजदूर घायल

समस्तीपुर: बिहार के समस्तीपुर जिले में शनिवार को ताजपुर-बख्तियारपुर निर्माणाधीन गंगा सेतु पर बड़ा हादसा हो गया। मोहनपुर प्रखंड के राजपुर-जौनापुर गंगा घाट के पास पिलर संख्या-58 के समीप अचानक स्लैब टूटकर गिर गया, जिससे वहां काम कर रहे छह मजदूर घायल हो गए। घटना के बाद निर्माण स्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और सहकर्मों मजदूरों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए पीएमसीएच भेजा गया। डॉक्टरों के अनुसार सभी मजदूर खतरे से बाहर हैं, हालांकि एक मजदूर के हाथ में फ्रैक्चर हुआ है जबकि अन्य को भी चोटें आई हैं। हादसे की सूचना मिलते ही निर्माण एजेंसी और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में स्लैब गिरने के कारणों और



निर्माण कार्य में किसी तकनीकी या मानवीय लापरवाही की पड़ताल की जा रही है। ताजपुर-बख्तियारपुर गंगा सेतु बिहार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल है। इसकी आधारशिला वर्ष 2011 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रखी थी और इसे उनका ड्रीम

देवघर बाबा बैद्यनाथ धाम के गर्भ गृह में मोबाइल ले जाने पर रोक

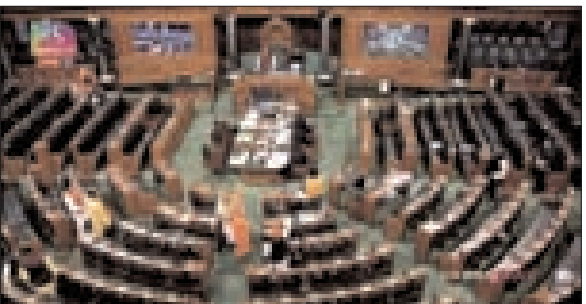
देवघर। बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर परिसर में पूरे साल बाह्य अरघा स्थापित किया जायेगा। साथ ही बाबा मंदिर के गर्भगृह में श्रद्धालुओं द्वारा मोबाइल फोन का उपयोग करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जायेगा। यह प्रस्ताव शुक्रवार को श्रावणी मेला और बाबा मंदिर व्यवस्था को लेकर समाहरणालय में आयोजित बैठक में लाया गया। इस प्रस्ताव को उपस्थित अधिकारियों, तीर्थ पुरोहितों और प्रबुद्धजनों ने सर्वसम्मति से अपनी स्वीकृति दी। बैठक की अध्यक्षता डीसी सौरभ कुमार भुवानिया ने की। इसमें पंडा धर्मरक्षिणी सभा के सदस्य समेत प्रबुद्ध पुरोहित शामिल हुए। मौके पर श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, सुगम जलापण, क्राउड मैनेजमेंट, शीघ्रदर्शनम व्यवस्था और वीआईपी पूजा व्यवस्था सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में पंडा धर्मरक्षिणी सभा के पदाधिकारियों ने मंदिर व्यवस्था से जुड़े अपने सुझाव डीसी के समक्ष रखे। डीसी ने सुझावों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। मंदिर परिसर के बाहर स्थायी अर्घा स्थापित किया जाएगा, जहां चढ़ाया गया वल सीधे बाबा तक पहुंचेगा। इससे बुजुर्ग और अश्वस्थ श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी। बैठक में श्रावणी मेले की तैयारियों की समीक्षा की गई।

20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र

नयी दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 20 जुलाई से 13 अगस्त तक संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने को मंजूरी दे दी है। संसदीय परिपाटी के मुताबिक मानसून सत्र दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा भी कराई जाएगी। करीब तीन सप्ताह के इस मानसून सत्र में सरकार कई अहम विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगी।

केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू के बयान में क्या

केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजिजू ने एक्स हैंडल पर लिखा, भारत सरकार की अनुशंसा पर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मानसून सत्र 2026 में संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने की स्वीकृति दे दी है। यह सत्र 20 जुलाई, 2026 से शुरू होकर 13



अगस्त, 2026 तक चलेगा। रिजिजू ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और निर्णय लिए जाएंगे।

किन मुद्दों पर हंगामा कर सकता है विपक्ष

बीते दिनों मेडिकल की पढ़ाई से जुड़ी प्रतियोगी परीक्षा- ठपएल्फ के पेपर लीक, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का चढ़ाया चोरी विवाद जैसे कई मामले लगातार सुर्खियों में है। ऐसे में संसद सत्र के दौरान हंगामा होने की आशंका है। इन मामलों के अलावा तुणमूल के दो फाड़ होने का मुद्दा भी चर्चा में है।

नजरें स्पीकर ओम बिरला के फैसले पर टिकी हैं। कांग्रेस अंडमान की ग्रेट निकोबार परियोजना पर भी लगातार हमलावर है। ऐसे में हंगामे और नारेबाजी से सत्र को कार्यवाही बाधित हो सकती है।

बजट सत्र में कितना कामकाज हुआ?

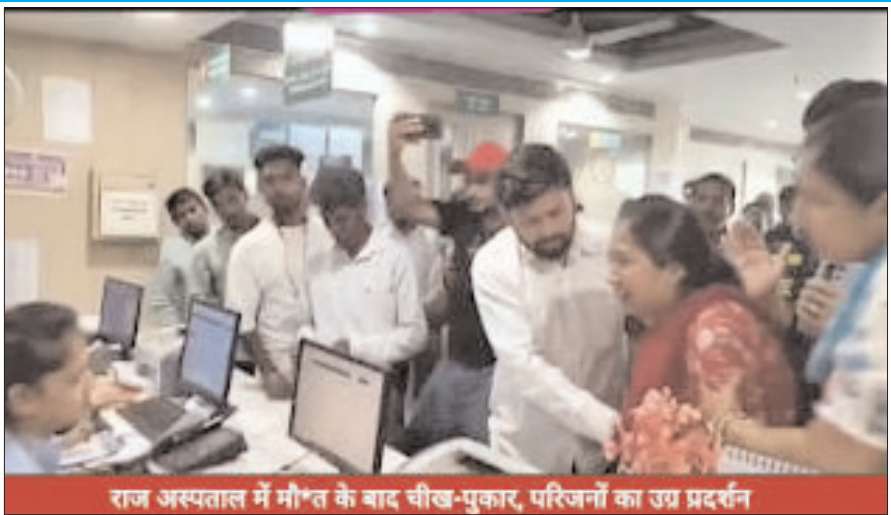
इससे पहले संसद का बजट सत्र विगत 18 अप्रैल को समाप्त हुआ था। 28 जनवरी, 2026 को शुरू हुए संसद के बजट सत्र में कई अहम विधेयक पारित किए गए थे। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के मुताबिक सत्र के दौरान 31 बेटवें हुईं। लगभग 151 घंटे 42 मिनट तक चली कार्यवाही के दौरान कई अहम विधेयकों पर चर्चा करवाई गई थी।

रांची के निजी अस्पताल में युवक की मौत पर बवाल, लापरवाही का आरोप

पैर में था फ्रैक्चर, रखा आईसीयू में, मौत के बाद दिया 22 लाख का बिल

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन व स्वास्थ्य मंत्री ने दिए जांच के आदेश

रांची। राजधानी रांची के निजी राज अस्पताल में इलाज के दौरान 18 वर्षीय युवक ने भी मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन पर चिकित्सकीय लापरवाही के गंभीर आरोप लगे हैं। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पैर के फ्रैक्चर के इलाज के लिए भर्ती कराए गए युवक की उपचार में लापरवाही के कारण मौत हुई। साथ ही, मौत के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा 22 लाख रुपये का बिल थमाए जाने के आरोप ने मामले को और तूल दे दिया है। घटना पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं।



राज अस्पताल में मौत के बाद चीख-पुकार, परिजनों का उग्र प्रदर्शन

परिजनों के अनुसार, संक्रमण गंभीर होने के बाद राजू को अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उनका आरोप है कि यदि समय पर समुचित इलाज और देखभाल की जाती तो उनकी जान बचाई जा सकती थी। परिजनों ने यह भी सवाल उठाया कि जब चोट केवल पैर में थी, तो संक्रमण इतना गंभीर कैसे हो गया कि मरीज की मृत्यु हो गई।

मृत्यु के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा 22 लाख रुपये का बिल जमा करने

के लिए कहे जाने से परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने अस्पताल परिसर में विरोध प्रदर्शन करते हुए डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ लापरवाही के आरोप लगाए। परिजनों के अग्रह पर राजू के शव का पोस्टमार्टम राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में कराया गया।

मामले की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर संज्ञान लेते हुए रांची के उपयुक्त मंजूनाथ भर्जनी को पूरे प्रकरण की गहन एवं

निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद जिला प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया। उपयुक्त मंजूनाथ भर्जनी ने सिविल सर्जन को जांच का दायित्व सौंपते हुए पूरे मामले की जांच के लिए जिला स्तरीय विशेष जांच टीम का गठन किया है। यह टीम अस्पताल के उपचार संबंधी रिकॉर्ड, चिकित्सकीय प्रक्रिया, मेडिकल दस्तावेजों तथा अन्य संबंधित पहलुओं की जांच कर अपनी

विस्तृत रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगी। इधर, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने भी मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार को उच्चस्तरीय जांच समिति गठित कर निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यदि जांच में अस्पताल प्रबंधन अथवा संबंधित चिकित्सक दोषी पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा, सम्मान और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा चिकित्सा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है। जांच रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग आगे की कार्रवाई करेंगे। वहीं, समाचार लिखे जाने तक अस्पताल प्रबंधन की ओर से आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई थी।

राज अस्पताल मामले में जांच टीम पहुंची अस्पताल

खंगाल रही दस्तावेज और मेडिकल रिकॉर्ड

रांची। रांची के राज अस्पताल में इलाज के दौरान 18 वर्षीय युवक की मौत के मामले में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के आदेश के बाद जिला प्रशासन ने सिविल सर्जन के माध्यम से जिला स्तरीय विशेष जांच टीम गठित की। शनिवार को परियोजना पदाधिकारी मनीषा तिकी के नेतृत्व में जांच दल अस्पताल पहुंचा और मरीज के इलाज से जुड़े दस्तावेज, मेडिकल रिकॉर्ड और बिलिंग प्रक्रिया की जांच शुरू की। जांच रिपोर्ट प्रशासन को सौंपी जाएगी। बताया जाता है कि लातेहार निवासी 18 वर्षीय युवक राजू कुमार रंजन का सड़क दुर्घटना में पैर टूट गया था। करीब 40 दिन पहले उसे राज अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसके पैर में इन्फेक्शन हो गया और अंततः उसकी मौत हो गई। इस दौरान अस्पताल प्रबंधन ने उसके परिजनों को 22 लाख रुपये का बिल थमा दिया।

डिब्राइडमेंट सहित सभी जरूरी चिकित्सकीय प्रक्रियाएं की गईं। प्रबंधन ने बताया कि मरीज के बाएं पैर में रक्त संचार पूरी तरह प्रभावित होने, संक्रमण और गंभीर जटिलताओं के कारण पिछले चार दिनों से चिकित्सकों ने कई बार पैर काटने (एम्प्यूटेशन) की सलाह दी थी, लेकिन परिजनों ने इसके लिए सहमति नहीं दी। अस्पताल का दावा है कि यह तथ्य चिकित्सीय अभिलेखों में दर्ज है।

अस्पताल ने कहा कि मरीज की गंभीर स्थिति दुर्घटना में लगी जानलेवा चोटों और उनसे उत्पन्न जटिलताओं का परिणाम है, न कि चिकित्सकों या अस्पताल की किसी लापरवाही का। उपचार के प्रत्येक चरण में मरीज के परिजनों को स्थिति, जोखिम और उपचार योजना की जानकारी दी जाती रही। राज अस्पताल ने यह भी आरोप लगाया कि उपचार के दौरान मरीज के परिजनों की ओर से अस्पताल परिसर में हंगामा और विरोध-प्रदर्शन किया गया, जिससे कई घंटों तक अस्पताल की सामान्य सेवाएं प्रभावित हुईं और अन्य मरीजों के इलाज में भी व्यवधान उत्पन्न हुआ। अस्पताल के अनुसार, इयूटी पर मौजूद चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों का धैर्य भी किया गया, हालांकि इसके बावजूद मरीज के उपचार में कोई कमी नहीं आने दी गई। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि 04 जुलाई 2026 को गठित सरकारी जांच टीम ने मामले की जांच की, जिसमें इलाजर्त डॉक्टरों और अस्पताल प्रशासन ने पूरा सहयोग किया। अस्पताल के अनुसार जांच टीम को मांगे गए सभी दस्तावेज, चिकित्सीय रिकॉर्ड और आवश्यक तथ्य उपलब्ध करा दिए गए हैं। अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि वह जांच एजेंसियों के साथ पूर्ण सहयोग कर रहा है और सत्य तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच होने का विश्वास रखता है।

संक्षिप्त खबरें

वरिष्ठ रंगकर्मी नरेश प्रसाद का निधन



रांची। रांची रंगमंच के वरिष्ठ अभिनेता एवं रंगकर्मी नरेश प्रसाद का लगभग एक माह की अस्वस्थता के बाद 3 जुलाई 2026 की प्रातः निधन हो गया। सायंकाल हरमू मुक्ति धाम में उनके सुपुत्र ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में परिजन, मित्र, सिंधी समाज के सदस्य तथा रांची रंगमंच के अनेक कलाकार उपस्थित रहे और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। नरेश प्रसाद रांची की प्रतिष्ठित रंग संस्था हस्ताक्षर से लंबे समय तक जुड़े रहे। वे उषा मार्टिन में कार्यरत रहे थे। वे एक सशक्त अभिनेता होने के साथ-साथ गंभीर रंग समीक्षक, कुशल मार्गदर्शक और युवा कलाकारों के प्रेरणास्रोत भी थे। उनके अभिनय और रंगचिंतन ने रांची के रंगमंच को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। लगभग एक माह पूर्व कुर्सी से गिरने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट लगी थी। उपचार के बावजूद वे स्वस्थ नहीं हो सके और अंततः उनका निधन हो गया। उनके निधन पर रंगकर्मियों ने महरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि रांची रंगमंच ने अपना एक सशक्त स्तंभ खो दिया है। कला और रंगमंच के प्रति उनका समर्पण तथा योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

रांची जिला जूनियर

वुशु प्रतियोगिता आज

रांची। रांची जिला वुशु संघ के तत्वावधान में रांची जिला जूनियर वुशु प्रतियोगिता का आयोजन 5 जुलाई 2026 को वुशु हॉल, बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम, मोराबादी, रांची में किया जाएगा। प्रतियोगिता में रांची जिले के विभिन्न विद्यालयों, क्लबों एवं प्रशिक्षण केंद्रों से बड़ी संख्या में जूनियर बालक एवं बालिका खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता के माध्यम से उभरते खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने तथा भविष्य की राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए चयन का अवसर प्राप्त होगा। रांची जिला वुशु संघ द्वारा प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं।

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा

की प्रथम वार्षिक

आमसभा 26 को

रांची। मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के सत्र 2025-27 की प्रथम वार्षिक आमसभा 26 जुलाई (रविवार) को रांची स्थित मारवाड़ी ब्राह्मण भवन में आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी सभा के मंत्री कृष्ण लाल शर्मा ने शनिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बताया कि सभा की हाल ही में आयोजित कार्यकारिणी बैठक में अध्यक्ष अशोक कुमार पुरोहित ने सभी संरक्षकों और आजीवन सदस्यों से वार्षिक आमसभा में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने का आह्वान किया है। कृष्ण लाल शर्मा ने बताया कि आमसभा में पिछले एक वर्ष के दौरान सभा द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।

नाराजगी

40 वर्षों से लगने वाला मोरहाबादी का साप्ताहिक बाजार बंद निगम के फैसले से सब्जी विक्रेताओं में नाराजगी, आंदोलन की चेतावनी

रांची। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में पिछले लगभग 40 वर्षों से लगने वाले साप्ताहिक सब्जी बाजार को शनिवार को रांची नगर निगम ने बंद करा दिया। निगम का कहना है कि बाजार में लगातार बढ़ रही भीड़ और ट्रैफिक जाम की समस्या को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। वहीं, निगम की इस कार्रवाई से सब्जी और फल विक्रेताओं में भारी नाराजगी है। कई विक्रेता मैदान में ही डटे रहे और आंदोलन की चेतावनी दी। स्थानीय लोगों के अनुसार, मोरहाबादी मैदान में प्रत्येक शनिवार को शहर का सबसे बड़ा साप्ताहिक सब्जी बाजार लगता है, जहां रांची और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान और विक्रेता अपनी उपज बेचने आते हैं। शनिवार को नगर निगम के निर्देश

रक्षा राज्य मंत्री सेठ 14 किमी की पैदल यात्रा कर पहुंचे अमरनाथ, की पूजा



रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शनिवार को पवित्र श्री अमरनाथ यात्रा में सहभागिता करते हुए बालटाल बेस कैंप से लगभग 14.5 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर बाबा बफानी की पवित्र गुफा में पहुंचकर विधिवत दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने बाबा अमरनाथ से देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

यात्रा के दौरान सेठ ने श्रद्धालुओं के लिए की गई सुरक्षा, स्वास्थ्य, आवास, भोजन, यातायात तथा अन्य व्यवस्थाओं का भी विस्तृत अवलोकन किया। उन्होंने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों एवं चुनौतीपूर्ण मौसम के बीच भारतीय सेना, सशस्त्र बलों, जम्मू-कश्मीर पुलिस, प्रशासन तथा विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं की सेवा, सुरक्षा

और सुविधा के लिए किए जा रहे कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। सेठ ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल जिस समर्पण, अनुशासन एवं सेवा-भाव से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर रहे हैं, वह राष्ट्रसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। वहीं विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संगठन निस्वार्थ भाव से श्रद्धालुओं की सेवा कर भारतीय संस्कृति की

सेवा-परंपरा को सशक्त बना रहे हैं। उन्होंने पवित्र अमरनाथ यात्रा के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा और सुविधाओं की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे लाखों श्रद्धालु सुरक्षित एवं

सुगमता के साथ बाबा बफानी के दर्शन कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबा अमरनाथ की पावन यात्रा उनके जीवन की एक अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभूति रही। उन्होंने कहा कि बाबा बफानी का आशीर्वाद समस्त देशवासियों पर बना रहे तथा भारत निरंतर शांति, समृद्धि, विकास और वैभव के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

16 साल पुराने अलकतरा घोटाले में टेकेदार को तीन साल की सजा

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। झारखंड के बहुचर्चित 16 साल पुराने अलकतरा घोटाला मामले में सीबीआई की विशेष अदालत ने शनिवार को फैसला सुनाते हुए क्लासिक कोल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिलीप कुमार सिंह को दोषी ठहराया है। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश कुलदीप की अदालत ने उन्हें तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उन पर एक लाख रुपये का जुमाना भी लगाया गया है। अदालत ने मामले में ट्रायल का सामना कर रहे तत्कालीन जूनियर इंजीनियर सुरेश शर्मा को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया। इस मामले में क्लासिक कोल कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पवन कुमार सिंह, जमशेदपुर के तत्कालीन सहायक अभियंता (असिस्टेंट इंजीनियर) अनिल कुमार वर्मा, जूनियर इंजीनियर सुरेश शर्मा और कंपनी के निदेशक दिलीप कुमार सिंह आरोपी थे। हालांकि, मुकदमे की सुनवाई के दौरान पवन कुमार सिंह और अनिल कुमार वर्मा का निधन हो गया, जिसके कारण उनके विरुद्ध न्यायिक कार्यवाही समाप्त हो गई। यह मामला वर्ष 2010 में सामने आए अलकतरा घोटाले से जुड़ा है। आरोप है कि चक्रधरपुर-खरसावां क्षेत्र में 1.506 किलोमीटर



सड़क निर्माण कार्य के दौरान 47 फर्जी बिल तैयार कर करोड़ों रुपये की सरकारी राशि की अवैध निकासी की गई थी। यह परियोजना रोड कंस्ट्रक्शन डिवीजन, जमशेदपुर के अधीन थी। घोटाले का खुलासा रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट (आरसीडी), जमशेदपुर के तत्कालीन कार्यपालक अभियंता (एक्जीक्यूटिव इंजीनियर) विनोद कुमार ने किया था। उन्होंने मामले की सूचना सीबीआई को दी, जिसके बाद केंद्रीय एजेंसी ने जांच शुरू की। जांच में आरोपितों की कथित सल्लतता पाए जाने पर सीबीआई ने 16 फरवरी 2010 को प्राथमिकी दर्ज की। जांच पूरी करने के बाद एजेंसी ने 22 अप्रैल 2011 को विशेष अदालत में आरोपपत्र (चार्जशीट) दायित्व किया। लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद 5 अप्रैल 2018 को अदालत ने सभी आरोपितों के खिलाफ आरोप तय किए थे। करीब 16 वर्षों तक चली सुनवाई के बाद विशेष अदालत ने अब इस मामले में फैसला सुनाते हुए एक आरोपी को दोषी करार दिया, जबकि दूसरे आरोपी को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया।

विधायक अरूप चटर्जी की सुरक्षा सुनिश्चित करे राज्य सरकार : माकपा

रांची। माकपा का राज्य सचिवमंडल विधायक अरूप चटर्जी को दुर्बई से प्रिंस खान के नाम पर धमकी मिलने को काफ़ी चिंताजनक घटना माना है। माकपा के राज्य सचिव प्रकाश विल्व ने डीजीपी और गृह सचिव से इस घटना की उच्चस्तरीय जांच कर अरूप चटर्जी की सुरक्षा दिए जाने की मांग की है। राज्य सचिव की ओर से शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि निर्वींचित जनप्रतिनिधि और ट्रेड यूनियन नेता को इस प्रकार की धमकी अत्यंत गंभीर व्यवस्था के कमजोर होने और अपराधियों के मनोबल के बढ़ने का संकेत है। उन्होंने कहा कि माकपा इस घटना की भर्त्सना करते हुए अरूप चटर्जी की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग करती है।

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को रांची के महात्मा गांधी मार्ग स्थित श्री हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना कर बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने राज्य के सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। पूजा-अर्चना के बाद राज्यपाल ने मंदिर परिसर में नवनिर्मित वातानुकूलित सामुदायिक हॉल का उद्घाटन भी किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं, बल्कि आध्यात्मिक चेतना, सेवा-भाव, सामाजिक समरसता और भारतीय संस्कारों के संवर्धन के महत्वपूर्ण केंद्र भी हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि ह्यश्री राम वाटिकाह्व धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ जनसेवा के विविध कार्यों का एक प्रेरणादायी केंद्र बनेगी। राज्यपाल ने कहा कि महात्मा गांधी मार्ग स्थित श्री हनुमान मंदिर वर्षों से जन-आस्था, सेवा और सामाजिक समरसता का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां धार्मिक आयोजनों के अलावा समाजहित के अनेक कार्य लगातार संचालित होते रहे हैं। राज्यपाल ने इस जनोपयोगी सामुदायिक हॉल के निर्माण के लिए श्री हनुमान मंदिर समिति, पंजाबी हिंदू विरादरी तथा सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं।



राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान श्रीराम और प्रभु हनुमान का जीवन सेवा, समर्पण, विनम्रता और कर्तव्यनिष्ठा का आदर्श प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि शक्ति तभी सार्थक है, जब उसमें विनम्रता हो, ज्ञान तभी श्रेष्ठ है, जब उसमें सेवा का भाव हो और जीवन तभी सफल माना जाता है, जब वह लोकमंगल के लिए समर्पित हो। राज्यपाल ने गोस्वामी तुलसीदास की प्रसिद्ध पंक्तियों ह्यरहित सरिस धरम नहि भाई, पर पीड़ा सम नहि अधमाईह्व का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में परोपकार और सेवा को सर्वोच्च धर्म का स्थान दिया गया है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को इन आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अपनी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में लगातार

आगे बढ़ रहा है। ऐसे धार्मिक और सामाजिक केंद्र समाज में सेवा, सहयोग, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्यपाल ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में सेवा, अनुशासन और संस्कारों को प्राथमिकता दें तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि यदि युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी रहेगी, तो समाज और राष्ट्र दोनों अधिक सशक्त, जागरूक और संस्कारित बनेंगे। अपने संबोधन के अंत में राज्यपाल ने सभी श्रद्धालुओं से प्रेम, सद्भाव, सहयोग और सेवा की भावना को जीवन का हिस्सा बनाने की अपील करते हुए कहा कि यही भगवान श्रीराम और प्रभु हनुमान के जीवन का वास्तविक संदेश है।



एक नजर

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्वयं भकर बीएलओ को सौंपा गणना प्रपत्र



रांची। मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत आज मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, के रवि कुमार ने स्वयं गणना प्रपत्र भरकर एवं उस पर हस्ताक्षर कर हटिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या-374 के बूथ स्तर पदाधिकारी (बीएलओ) अनु कच्छप को सौंपा। इस अवसर पर सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी अरगोड़ा सुदीप्त राज, सुपरवाईज़र अशोक प्रसाद सिंह, निर्वाचन कंप्यूटर ऑपरेटर महमूद आलम एवम अन्य कर्मी उपस्थित रहे। इस मौके पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने राज्य के सभी पात्र भारतीय नागरिकों से आह्वान किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जब बूथ स्तर पदाधिकारी उनके घर गणना प्रपत्र लेकर आएंगे, तो वे उसे तत्काल भरकर हस्ताक्षर सहित बीएलओ को उपलब्ध कराएं, ताकि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किया जा सके।

938वें खिचड़ी भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



रांची। राजधानी स्थित दिव्यदेशम श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में शनिवार 04 जुलाई आषाढ़ कृष्णपक्ष चतुर्थी को 938 वें खिचड़ी भंडारे का भव्य आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। इस पुण्य अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जिससे पूरा वातावरण उल्लासपूर्ण हो गया। इस विशेष भंडारे में कुल 1342 श्रद्धालुओं ने खिचड़ी महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम की शुरुआत उपः काल की धार्मिक एवं वैदिक अनुष्ठानों के साथ हुई। जिसमें भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर की नित्याराधन पूजा विधि विधान पूर्वक वेद उपनिषद एवं विभिन्न सूक्तों के मंत्रों के साथ उपचार - प्रत्युपचार के साथ परंपरागत विधियों का पालन करते हुये विशेष आराधना संपन्न की गई। अनुष्ठान के दौरान श्रीपञ्चावती वल्लभ श्रीनिवास की आराधना - स्तुति विभिन्न वैदिक ऋचाओं, श्लोक रूप से आगमोक्त विधियों के माध्यम से की गई। जिसमें मंदिर परिसर दिव्य आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा। महाआरती और स्तुति के उपरान्त भगवान् को विधिवत खिचड़ी महाभोग अर्पित किया गया। इस दौरान मंदिर में गुंजते घंटानाद और वेदोक्त मंत्रोच्चार ने वातावरण को और भी दिव्यता प्रदान कर दिया। इस पावन भंडारा आयोजन के यजमान के रूप में रांची निवासी श्री शशि भूषण सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती बीना सिंह शामिल हुये। अनुष्ठान को संचालन मंदिर के अर्चक श्री सत्यनारायण गौतम एवं श्री गोपोश आचार्य और श्री नारायण दास जी के द्वारा विधिवत कराया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सर्वश्री राम अवतार नारसरिया अनूप अग्रवाल प्रदीप नारसरिया राजेश सुल्तानिया रंजन सिंह प्रभाष मित्तल ओमप्रकाश गाड़िया सुशील लोहिया सुशील गाड़िया सीता शर्मा यशोदा देवी शंभू नाथ पोदार सुशील पोदार आदि की भूमिका रही।

एचईसी प्रबंधन पर कामगारों की उपेक्षा का आरोप, आंदोलन की चेतावनी

रांची। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन ने एचईसी प्रबंधन पर कामगारों की मूलभूत सुविधाओं की अदेखी और लंबे समय से वेतन भुगतान में देरी का गंभीर आरोप लगाया है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो प्रबंधन और सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। शनिवार को आयोजित यूनियन की बैठक में महामंत्री सह राष्ट्रीय संगठन सचिव लीलाधर सिंह ने कहा कि एचईसी के कामगार पिछले दो वर्षों से अधिक समय से वेतन संकट झेल रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले प्रत्येक माह केवल 15 दिनों का वेतन दिया जा रहा था, जबकि अब 45 दिनों में एक माह का वेतन भुगतान हो रहा है, जिससे कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्लांट में कामगारों को बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। शौचालय जर्जर अवस्था में हैं, पीने के पानी की समुचित व्यवस्था नहीं है, हाथ धोने के लिए साबुन तक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है और कैटीन सुविधा भी बंद कर दी गई है। उनका कहना था कि कामगारों को बिना चाय-पानी के लगातार आट घंटे तक काम करना पड़ता है। लीलाधर सिंह ने कहा कि फैक्ट्री अधिनियम के प्रावधानों की खुलेआम अदेखी की जा रही है। महिला एवं पुरुष कर्मचारियों को शांच और मूत्र विसर्जन के लिए शौचियों का सहारा लेना पड़ रहा है, जो श्रमिकों की गरिमा और सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि उत्पादन कार्य जारी रहने के बावजूद कामगारों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। जहां अधिकारियों को लगातार प्रोन्नति मिल रही है, वहीं कामगारों की प्रोन्नति लगभग एक दशक से लंबित पड़ी है। यूनियन ने नगर प्रशासन, अतिक्रमण, अनधिकृत निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं और मेटेनैस व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। लीलाधर सिंह ने कहा कि एचईसी अस्पताल की स्थिति पहले से ही खराब है और अब वेलेनेस सेंटर भी लगभग निष्क्रिय हो चुका है, जिससे कर्मचारियों और उनके परिवारों की स्वास्थ्य सुविधाएं प्रभावित हो रही हैं। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के उपाध्यक्ष गिरीश कुमार चौहान ने की। बैठक में राजेन्द्र कान्त महतो, भोला साव, खुशींद आलम, धनंजय श्रीवास्तव, राममोहन बैठा, मैजुल हक, नैशाद अंसारी, कृष्ण यादव, शैलेश, सुधीर कुमार मिश्र, रमेश चंद्र पांडेय, नवनीत सिंह, एस.के. पांडेय, अजय सिंह, एस.एस. बैठा एवं मो. कादिर सहित कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

रांची नगर निगम की 630 जमीनों के म्यूटेशन पर जोर, नगर आयुक्त ने दिए अहम निर्देश



रांची। नगर निगम की 630 जमीनों के म्यूटेशन की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने अधिकारियों को लॉबित मामलों की नियमित समीक्षा कर संबंधित अंचल कार्यालयों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जल्द निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निगम के अनुसार शहर, अगोड़ा, बरागाई, कांके, नगड़ी, नामकुम और हेहल अंचल में म्यूटेशन के लिए आवेदन किए जा चुके हैं। नगर आयुक्त ने कहा कि निगम की जमीनों का समय पर म्यूटेशन अतिक्रमण रोकने, परिसंपत्तियों की सुरक्षा और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रिया-व्यवहन के लिए आवश्यक है। साथ ही, शहर के 24 प्रमुख स्थानों पर ग्रीन पैच विकसित करने की योजना की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।



गुमला प्रखंड में 'परिवहन कार्यालय आपके द्वार' शिविर को मिली अपार सफलता

197 लोगों को मिला लर्निंग लाइसेंस

नवप्रदेश/गुमला। झारखंड सरकार के परिवहन विभाग के महत्वाकांक्षी 'परिवहन कार्यालय आपके द्वार' अभियान के तहत प्रखंड कार्यालय के सभागार में विशेष शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति (लर्निंग लाइसेंस) परीक्षा शिविर का आयोजन किया गया। कामडारा प्रखंड में मिली ऐतिहासिक सफलता के बाद गुमला प्रखंड में आयोजित इस शिविर में भी जनता का भारी उत्साह देखने को मिला। अनुज्ञप्ति बनवाने के लिए 220 से अधिक लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे प्रशासनिक अमले को व्यवस्था बनाए रखने की चुनौती का सामना करना पड़ा। उपायुक्त ने अपने हाथों बाँटी



अनुज्ञप्ति, 197 अभ्यर्थी हुए सफल,इस एकदिवसीय शिविर में कुल 224 अभ्यर्थियों ने परीक्षा पूरी की, जिनमें से 197 अभ्यर्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए, जबकि 27 लोग असफल रहे। कार्यक्रम की सबसे खास बात यह रही कि गुमला के उपायुक्त दिलेश्वर महतो

ने स्वयं शिविर में उपस्थित होकर सफल अभ्यर्थियों को अपने हाथों से शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति प्रदान की, जिससे युवाओं और स्थानीय लोगों का उत्साह दोगुना हो गया।जिस तेज गति से दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं, उसे देखते हुए हम सभी को अत्यधिक सतर्क रहने की जरूरत

है। दोपहिया वाहन पर हमेशा हेलमेट पहनें और चार पहिया वाहन में सुरक्षा पेटी (सीट बेल्ट) जरूर लगाएं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण नियम की जानकारी देते हुए बताया कि अब कार में पीछे बैठने वाले यात्रियों के लिए भी सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इस विषय पर संबंधित मंत्रालय द्वारा कड़े नियम जारी किए जा चुके हैं।उपायुक्त ने शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति प्राप्त करने वाले युवाओं को स्पष्ट निर्देश देते हुए समझाया कि रशिक्षार्थी अनुज्ञप्ति का अर्थ केवल वाहन चलाना 'सीखने' के लिए दी गई अनुमति है। इसे किसी भी स्थिति में स्थायी अनुज्ञप्ति नहीं

मानना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि इस अनुज्ञप्ति के जारी होने के 30 दिनों के बाद स्थायी अनुज्ञप्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन अवश्य करें। लाइसेंस पूरी तरह बन जाने के बाद ही गाड़ी पर अपनी पकड़ मजबूत करें और पूरी जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाएं।इस विशाल शिविर को सफल बनाने में प्रशासनिक अमले का पूरा सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान गुमला के प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार चोपड़ा, अंचलाधिकारी हरीश कुमार, मोटरवाहन निरीक्षक (एमवीआई) और जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) सत्येन्द्र महतो सहित परिवहन विभाग की पूरी टीम

मुस्तैदी से मौजूद रही।विभाग ने घोषणा की है कि अगला शिविर जिले के अंतर्गत गुमला प्रखंड के फासिया पंचायत में दिनांक 7 जुलाई 2026 को लगाए जाने की योजना है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि पर शिविर स्थल पर उपस्थित होकर इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। गुमला प्रखंड में आयोजित इस सफल शिविर ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि प्रशासन यदि जनता के द्वार तक पहुंचे, तो आम नागरिक भी नियमों का पालन करेंगे और सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।



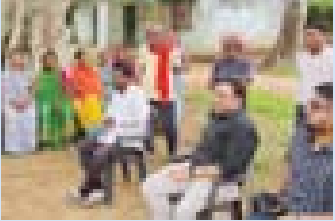
झारखंड में कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल : आप
नवप्रदेश/बोकारो। आम आदमी पार्टी ने जमशेदपुर में हिमांशु सिंह की पुलिस की मौजूदगी में कथित रूप से पीट-पीटकर की गई निर्भम हत्या पर गहरा दुख और आक्रोश व्यक्त किया है। यह घटना राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नविह्वल लागाती है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता भास्कर सुमन ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि पुलिस की उपस्थिति में भी किसी व्यक्ति की जान सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिक की सुरक्षा की स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि कानून का शासन तभी प्रभावी माना जाएगा जब अपराधियों में कानून का भय हो और नागरिकों को सुरक्षा का विश्वास। दिवदहाइ या पुलिस की मौजूदगी में इस प्रकार की घटना होना अत्यंत चिंताजनक है और इसकी निष्पक्ष, त्वरित तथा उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। पार्टी राज्य सरकार से मांग करती है कि इस मामले में शामिल सभी दोषियों की शीघ्र पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही, घटना के दौरान उपस्थित पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कर आवश्यक होने पर उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाए। आम आदमी पार्टी दिवंगत हिमांशु सिंह के परिजनों के प्रति गहरी आत्मीयता व्यक्त करती है और मांग करती है कि परिवार को न्याय दिलाने के लिए सरकार हर आवश्यक कदम उठाए। राज्य में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना सरकार की सर्वोच्च जिम्मेदारी है, जिससे ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मध्य रात्रि को प्रशासन ने बाइक पेट्रोलिंग अभियान चलाया
नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार नगर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में सिटी क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों के साथ मध्य रात्रि को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक बाइक पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सड़कनशील एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों, अड़ेबाजी वाले क्षेत्रों तथा प्रमुख चौक-चौराहों पर सघन छापामारी एवं तलाशी अभियान संचालित किया गया। साथ ही एटी क्राइम चेकिंग, सदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच, ड्रैक एंड ड्राइव चेकिंग तथा यातायात नियमों के अनुपालन की भी सघन जांच की गई। इस अभियान का उद्देश्य अपराधों की रोकथाम, असांभाजिक एवं आपराधिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश स्थापित करना, कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा आम नागरिकों में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को सुदृढ़ करना था। पुलिस टीम द्वारा आमजनों से सतर्क रहने, सदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा कानून का पालन करने की अपील भी की गई।



उप विकास आयुक्त ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय गुमला एवं पंचायतों का किया निरीक्षण

नवप्रदेश/गुमला। उप विकास आयुक्त अनिमेश रंजन ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय, गुमला का निरीक्षण कर विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी, सहायक परियोजना पदाधिकारी (मनवरेगा), जिला समन्वयक ग्रामीण आवास सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने मनरेगा, ग्रामीण आवास योजना, पंचायती रज्ज एवं अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए मनरेगा अंतर्गत डबल् बी- ग्राम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीण आवास योजना के लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा प्रथम किश्त प्राप्त करने के बावजूद निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करने वाले लाभुकों से समन्वय स्थापित कर कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। साथ ही 15वें वित्त आयोग से संबंधित लंबित भुगतान नियमानुसार निष्पादित करने को कहा।कार्यालय निरीक्षण के क्रम में प्रधान लिपिक एवं नाजिर द्वारा संचारित अभिलेखों एवं पंजीयों की जांच की गई। कैश बुक, वेतन भरपाई पंजी तथा आगत-निर्गत पंजी सुव्यवस्थित पाए गए। अभिलेखों के बेहतर संधारण एवं समयबद्ध अद्यतन के लिए आवश्यक निर्देश भी दिए गए।इसके उपरांत उप विकास आयुक्त ने ग्राम पंचायत तेलगवां का भ्रमण कर मनरेगा, ग्रामीण आवास एवं 15वें वित्त आयोग से संचालित योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। ग्रामीणों एवं मुखिया के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने जलमीनार का मोटर चोरी हो जाने से पेयजल आपूर्ति बाधित होने, जर्जर सामुदायिक भवन तथा नए आंगनबाड़ी भवन की आवश्यकता से अवगत कराया।

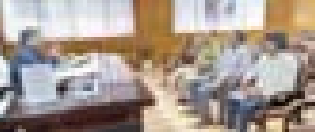


नगर परिषद क्षेत्र में एस आई आर -2026 कार्यों की समीक्षा

नवप्रदेश/गुमला। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गुमला के निर्देश के आलोक में शनिवार को निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 68-गुमला (अजग/अजगजा) विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-सह-अनुसंडल पदाधिकारी, गुमला अखिलेश कुमार ने नगर परिषद कार्यालय में नगर परिषद के कर्मियों एवं बीएलओ सुपरइंजर्जन के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सभी बूथों पर चल रहे पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गणना पत्र के सत्यापन एवं डिजिटाइजेशन को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए गए।बैठक के उपरांत निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने मतदान केंद्र संख्या 213, 214, 226 एवं 227 का क्षेत्र भ्रमण कर एन्त्र डिजिटाइजेशन कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित बीएलओ एवं स्वयंसेवकों को अधिक से अधिक गणना प्रपत्रों का शीघ्र एवं त्रुटिरहित डिजिटाइजेशन सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए।ज्ञात हो कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक जिले में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एस आई आर-2026) अभियान के अंतर्गत घर-घर जाकर गणना, सत्यापन एवं डिजिटाइजेशन का कार्य संचालित किया जा रहा है।

एसआईआर अभियान की खामियों को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने डीसी से की मुलाकात

नवप्रदेश/गुमला। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के दौरान क्षेत्र भ्रमण में सामने आई समस्याओं को लेकर कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल शनिवार को उपायुक्त दिलेश्वर महतो से मिला। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ एवं वालंटियर शिक्षकों के बीच समन्वय की कमी, प्रशिक्षण के अभाव तथा मतदाताओं को हों रही परेशानियों से अवगत कराते हुए आवश्यक सुधारामक कदम उठाने की मांग की। उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को आश्चस्त किया कि मामले में तत्काल पहल कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने उपायुक्त से कहा कि एसआईआर अभियान के तहत बीएलओ और उनके साथ प्रतिनियुक्त वालंटियर शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि बार-बार एक ही घर जाकर जानकारी जुटाना बीएलओ के श्रम और समय की अनावश्यक बर्बादी है। इसके बजाय प्रत्येक गांव में छोटी ग्रामसभा या आमसभा आयोजित कर मतदाताओं को एसआईआर अभियान की गंभीरता, प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी जाए, ताकि सत्यापन कार्य सुचारु रूप से पूरा हो सके। उन्होंने सुझाव दिया कि गणना प्रपत्र भरने के दौरान मतदाता अपने पास पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र पहले से तैयार रखें। यदि कोई मतदाता स्वयं प्रपत्र भरने में सक्षम नहीं है तो उसे स्थानीय स्तर पर सहायता उपलब्ध कराई जाए।



किसानों ने कांग्रेस नेता के ामक्ष कृषि विभाग से खेती करने के लिए खाद्य बीज दिलवाने के लिए रखी मांग

नवप्रदेश/गुमला। किसान भाइयों ने बताया कि हमलोगों की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण हमलोग खेती बाड़ी करने से वंचित हैं" हमलोगों को खेती करने हेतु कृषि विभाग से बीज की व्यवस्था करवाया जाए,मुख्तार आलम , जिलाध्यक्ष असंगणित कामगार कांग्रेस सह 20 सूत्री सदस्य ने किसान की बातों को सुनने के बाद कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं किसानों को हो रही समस्याएं का निष्पादन करना मेरी पहली प्राथमिकता है।मुख्तार आलम में अविलंब कृषि विभाग के ब्लॉक प्रोग्राम से फलन में वातालर्पा कर इन किसानों को बीज की व्यवस्था करवाने की बात कही, कृषि विभाग के पदाधिकारी ने कहा कि इन सभी किसानों को सोमवार के दिन उपलब्ध कराया दिया जाएगा।मुख्तार आलम ने किसानों के लिए अपने निजी पैसों से (300 पीस) छाता मंगवाया है, किसानों के बीच वितरण करेंगे, क्योंकि अभी बारिश का मौसम है किसानों के पास छाता रखने से किसान अपनी खेती-बाड़ी अच्छा से कर पाएंगे।आज जो भी किसान कार्यालय आए थे उन सभी लोगों को मुख्तार आलम में छाता वितरण किया



यातायात नियम तोड़ने वाले हो जाये सावधान ,अब ऑनलाइन कट रहा है चालान

नवप्रदेश/बोकारो। यातायात नियमों की धजियां उड़ाने वाले की अब खैर नहीं ,बोकारो जिला के हर जगह जगह चौक चौराहों में सीसीटीवी कैमरा लगवाया गया है ,बिना हेलमेट , बिना गाड़ी का कागजात सड़क में अगर यातायात पुलिस के आँखों में धूल झोंककर रफू चक्कर होना चाहते है तो हो जाए सावधान ,आप सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में है आपका ऑटोमेटिक ऑनलाइन चालान कट जाएगा और यहां किसी की भी पैरवी नहीं चलेगी ,सब पैरवी छू मंतर हो जाएगा क्योंकि तीसरी आंख के सामने किसी की भी पैरवी नहीं चलने वाली है और आप कैमरा के शिकंजे में फंस जायेंगे , चालान सहित नियमानुसार सख्त कार्रवाई भी की जाएगी ।अगर आप सड़क सुरक्षा के नियमों ,यातायात के नियमों का पालन करेंगे तो ही खैर है वरना , अगर आप सड़क सुरक्षा के नियमों, यातायात के नियमों का पालन करेंगे तो ही खैर है, वरना अगर आप सड़क सुरक्षा के नियमों, यातायात के नियमों का पालन करेंगे तो अपने आप को सुरक्षित रखेंगे और अपने घर वालों को परेशानियों से दूर रखेंगे तथा पुलिस प्रशासन का सहयोग करेंगे ,।अन्यथा कानून सम्मत कार्यवाही की जाएगी। बताते चले कि बोकारो पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा के निर्देशानुसार यातायात पुलिस उपाधीक्षक अजय प्रसाद के नेतृत्व में इन दिनों बिना हेलमेट,बिना गाड़ी का कागजात ,फिटनेस सहित शराब पीकर दो पहिया वाहन,तीन पहिया वाहन ,चार पहिया वाहन आदि में यातायात नियमों के आधार पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जा रही है ।हाल ही में कई तीन पहिया वाहन यानी टेंपो आदि पर गाज गिर चुका है ।



चैनपुर में दिखी मानवता की मिसाल

नवप्रदेश/चैनपुर। चैनपुर प्रखंड मुख्यालय में आज मानवता की एक मिसाल देखने को मिली, जहां दुख की घड़ी में जनप्रतिनिधियों ने आगे आकर एक पीड़ित परिवार की मदद की।मिली जानकारी के अनुसार, चैनपुर निवासी मंगरा रौतिया के पुत्र बीरेन्द्र रौतिया पिछले कुछ समय से गंभीर रूप से बीमार थे। उनका इलाज रांची में चल रहा था, जहां इलाज के दौरान उनका आकस्मिक निधन हो गया। इस दुःखद खबर से पूरे परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है।घटना की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा और चैनपुर की मुखिया शोभा देवी तुरंत पीड़ित परिवार के घर पहुंचीं। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढाढ़स बंधाया और गहरी संवेदना प्रकट की।विपत्ति की इस घड़ी में परिवार को संबल देने के लिए जनप्रतिनिधियों ने तुरंत हाथ आगे बढ़ाए परिवार को तत्काल राहत के रूप में चावल और अन्य राशन सामग्री उपलब्ध कराई गई।।तत्कालिक जरूरतों के लिए परिवार को नकद आर्थिक सहायता दी गई।मुखिया शोभा देवी ने भी परिजनों को ढाढ़स बंधाते हुए आश्चस्त किया कि भविष्य में भी सरकारी योजनाओं और अन्य माध्यमों से परिवार को हर संभव सरकारी और निजी मदद दिलाई जाएगी। जनप्रतिनिधियों की इस संवेदनशीलता और त्वरित मदद की स्थानीय ग्रामीणों ने सराहना की है।



बोकारो सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण: प्रशिक्षु आईएएस ने दिए व्यवस्था सुधारने के कड़े निर्देश

नवप्रदेश/बोकारो। स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शनिवार को बोकारो सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा के निर्देश पर प्रशिक्षु आईएएस श्री अरविंद राधाकृष्णन द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं और स्वास्थ्य सेवाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में प्रशिक्षु आईएएस ने ओपीडी, आईसीयू, एनआईसीयू, डायलिसिस वार्ड और थैलेसिमिया वार्ड सहित कई प्रमुख विभागों का दौरा किया। इस मौके पर उनके



साथ सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह भी उपस्थित रहे। फामेसी में सुधार: दवाओं के वितरण को सुगम बनाने के लिए फामेसी में तुरंत दो कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने और पुरुष एवं महिला मरीजों के लिए अलग-अलग कतार (लाइन) की व्यवस्था करने के

इसकी आसानी से जानकारी मिल सके। वाडों का शीघ्र संचालन: मरीजों के परिजनों की सहूलियत के लिए वेंटिंग एरिया को जल्द से जल्द शुरू करने तथा पीआईसीयू (पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट) के त्वरित संचालन पर बल दिया गया। निरीक्षण के बाद प्रशिक्षु आईएएस ने स्पष्ट किया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण, सुगम और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को संवेदनशीलता, बेहतर समन्वय और प्रभावी प्रबंधन के साथ कार्य करने की हिदायत दी, ताकि आम जनता को स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ मिल सके।

इसकी आसानी से जानकारी मिल सके। वाडों का शीघ्र संचालन: मरीजों के परिजनों की सहूलियत के लिए वेंटिंग एरिया को जल्द से जल्द शुरू करने तथा पीआईसीयू (पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट) के त्वरित संचालन पर बल दिया गया। निरीक्षण के बाद प्रशिक्षु आईएएस ने स्पष्ट किया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण, सुगम और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को संवेदनशीलता, बेहतर समन्वय और प्रभावी प्रबंधन के साथ कार्य करने की हिदायत दी, ताकि आम जनता को स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ मिल सके।

इसकी आसानी से जानकारी मिल सके। वाडों का शीघ्र संचालन: मरीजों के परिजनों की सहूलियत के लिए वेंटिंग एरिया को जल्द से जल्द शुरू करने तथा पीआईसीयू (पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट) के त्वरित संचालन पर बल दिया गया। निरीक्षण के बाद प्रशिक्षु आईएएस ने स्पष्ट किया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण, सुगम और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को संवेदनशीलता, बेहतर समन्वय और प्रभावी प्रबंधन के साथ कार्य करने की हिदायत दी, ताकि आम जनता को स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ मिल सके।



बीएसएल में मुख्य महाप्रबंधकों एवं विभागाध्यक्षों के लिए 'डिसरप्टिव इनोवेशन आइडेंटिफिकेशन वर्कशॉप' का आयोजन

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट के मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा बोकारो निवास में मुख्य महाप्रबंधकों एवं विभागाध्यक्षों के लिए डिसरप्टिव इनोवेशन आइडेंटिफिकेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। वर्ष 2030 की चुनौतियों एवं वैश्विक इस्पात बाजार की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए संयंत्र में नवाचार एवं दूरदर्शी सोच को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह कार्यशाला आयोजित की गई।आज वैश्विक इस्पात उद्योग डीकबोर्नाइजेशन, इंडस्ट्री 4.0 तकनीकों के बढ़ते उपयोग, कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, ग्राहकों की बढ़ती गुणवत्ता अपेक्षाओं, वैश्विक प्रतिस्पर्धा तथा कार्यबल की बदलती संरचना जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में बीएसएल केवल क्रमिक सुधारों तक सीमित न रहकर डिसरप्टिव इनोवेशन के माध्यम से अपने पंचालन एवं रणनीतिक कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाने की दिशा में अग्रसर है।कार्यशाला का उद्देश्य संयंत्र की प्रमुख प्राथमिकताओं, जैसे नवाचार, लागत में कमी, कार्यकुशलता, कार्यस्थल सुरक्षा, साइकिल टाइम में कमी, ब्रेकडाउन-मरु संचालन तथा सतत विकास से जुड़े व्यवहारिक एवं प्रभावी उपायों की पहचान करना था।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक (आरडीसीआईएस), कार्यकारी निदेशक (एसडीटीडी) तथा कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन-एल एंड डी), एमटीआई ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन निदेशक प्रभावी, बीएसएल द्वारा किया गया।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर गिरिडीह में भाजपा महिला मोर्चा का भव्य छात्र सम्मेलन

युवाओं को राष्ट्र निर्माण का दिया संदेश

नवप्रदेश/गिरिडीह। भारत के महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश की ओर से गिरिडीह स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में भव्य छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवाओं, शिक्षकों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा ने डॉ. मुखर्जी के राष्ट्र निर्माण, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान और राष्ट्रीय एकता के प्रति उनके समर्पण को याद करते हुए कहा



कि उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का अमूल्य स्रोत है।

कार्यक्रम प्रभारी एवं भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो.

विनीता ने विद्यार्थियों से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ शिक्षा, सेवा

और सामाजिक उत्तरदायित्व को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत का उज्ज्वल भविष्य युवाओं के ज्ञान, संस्कार, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति पर निर्भर करता है। पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व महापौर प्रकाश सेठ ने कहा कि यदि युवा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को आत्मसात करें, तो विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प और अधिक मजबूत होगा। सम्मेलन के दौरान विद्यार्थियों ने राष्ट्रभक्ति, देशहित और समाज सेवा के प्रति अपने दायित्वों का संकल्प लिया तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और जनजागरण के कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व नगर अध्यक्ष हरमिंदर

सिंह बग्गा ने किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान देवघर जिला प्रभारी यदुनंदन पाठक, जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, ई. विनय सिंह, जिलामहामंत्री संदीप डेंगेच, सिंकू सिन्हा, देवराज, अजय सिन्स, सुरेश मंडल, अनुप सिन्हा, राजेश जायसवाल, संतोष गुप्ता, मनोज संघई, अमित आर्या, सरिता शर्मा, बबली साव, रामबाबू साव, श्रेयांश सौरभ सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन श्भारत माता की जयश्, र्वदे मातरम् तथा र्इडॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अमर रहेंर के उद्घोष के साथ हुआ।

मसलिया के पलाशी मोड़ के पास निकला शिवलिंग,क्षेत्र में चर्चा का विषय

नवप्रदेश/दुमका। झारखंड के उपराजधानी दुमका के मसलिया के पलाशी मोड़ के पास निकला शिवलिंग,क्षेत्र में चर्चा का विषय बना । शिवलिंग निकलने के बाद चर्चा का विषय बना हुआ है। आपको बताते चले सबसे दिलचस्प बात यह है कि शिवलिंग निकलने के बाद कुछ ही देर बाद शिवलिंग गायब, मोके में पहुंचे मसलिया पुलिस । आपको बताते चले सालोनी होटल के पास निकला शिवलिंग। और निकलने के कुछ समय बाद शिवलिंग गायब। जांच में जुटे हैं मसलिया पुलिस इस मामले को लेकर मसलिया थाना प्रभारी को पूछने पर बताया कि मामले संज्ञान में है जांच जारी है।

आश्रम मोड़ में जलजमाव से दुकानदार परेशान, स्कूली बच्चों का आवागमन बाधित

नवप्रदेश/मसलिया। मसलिया खंड के मसालजोर पंचायत स्थित आश्रम मोड़ पर लगातार हो रही बारिश के कारण जलजमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। सड़क पर पानी भर जाने से स्थानीय दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है, वहीं स्कूली बच्चों और राहगीरों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों ने बताया कि साहेबगंज-गोविंदपुर राज्यमार्ग की ऊंचाई अधिक होने के कारण बारिश का पानी सीधे दुकानों की ओर बहकर आ जाता है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से दुकानों के सामने पानी जमा रहता है, जिससे ग्राहकों का आना-जाना कम हो गया है और व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। जलजमाव का सबसे अधिक असर आश्रम मोड़ स्थित लिटिल एंगल स्कूल के बच्चों पर पड़ रहा है। स्कूल आने-जाने के दौरान बच्चों को पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ता है। कई बच्चे फिसलकर गिर रहे हैं, जिससे चोट लगने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दिनों में यह समस्या हर वर्ष उत्पन्न होती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया है। दुकानदारों और ग्रामीणों ने प्रशासन से शीघ्र जल निकासी की व्यवस्था कराने तथा स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है, ताकि लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके।

गिरिडीह शाखा का नए सत्र का चुनाव 2026-27 का गठन



नवप्रदेश/गिरिडीह। मारवाड़ी युवा मंच गिरिडीह शाखा का नए सत्र का चुनाव 2026-27 का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष अंकित सरावगी सचिव निखिल झुनझुनाला और कोषाध्यक्ष शंखर जलन जी को बनाया गया । एन सत्र शुभारंभ गो सेवा से शुरूआत किया गया जिसमें सभी सदस्य ने गों माता को गुड चारा भोग लगाया और साथ ही एक जुलाई को डॉक्टर डे एवं सीए डे के उपलक्ष्य पर मंच के डॉक्टर और उअ सदस्य को सम्मानित किया गया ।

रांची-जमशेदपुर की तर्ज पर गिरिडीह में भी आधुनिक डाक सुविधा उपलब्ध कराने की अपील, लंबी कतारों से राहत देने की मांग

गिरिडीह प्रधान डाकघर में स्पीड पोस्ट सेल्फ बुकिंग कियोस्क शुरू करने की मांग, सुनील खंडेलवाल ने डाक विभाग को लिखा पत्र

नवप्रदेश/गिरिडीह। सामाजिक एवं सूचना का अधिकार (फ़क्त) कार्यकर्ता सुनील कुमार खंडेलवाल ने गिरिडीह प्रधान डाकघर में स्पीड पोस्ट सेल्फ बुकिंग कियोस्क (रस्त्रीां ढङ्खर२३ री'। इङ्गड्ल्लं ङङ्खर' र८२३ी) की सुविधा तत्काल शुरू करने की मांग उठाई है। इस संबंध में उन्होंने भारत सरकार के डाक विभाग के महानिदेशक, नई दिल्ली, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, झारखंड परिमंडल, रांची तथा डाकघर अधीक्षक, गिरिडीह को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। खंडेलवाल ने कहा कि गिरिडीह जैसे महत्वपूर्ण जिला मुख्यालय में यह आधुनिक सुविधा उपलब्ध नहीं होने से प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों, अधिकवाओं, व्यापारियों, विद्यार्थियों और विभिन्न संस्थानों को स्पीड पोस्ट कराने के लिए लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है। इससे लोगों का समय बर्बाद होता है और कई बार तकनीकी व व्यवस्थागत



कारणों से रसीद जारी होने में भी परेशानी आती है। उन्होंने कहा कि जब रांची और जमशेदपुर के

डाकघरों में स्पीड पोस्ट सेल्फ बुकिंग कियोस्क सफलतापूर्वक संचालित हो रहे हैं, तो गिरिडीह के

नागरिकों को इस सुविधा से वंचित रखना उचित नहीं है। डिजिटल इंडिया, ई-गवर्नेंस और नागरिक-केंद्रित सेवाओं की भावना के अनुरूप यह सुविधा गिरिडीह में भी जल्द शुरू की जानी चाहिए। सुनील कुमार खंडेलवाल ने मांग की है कि गिरिडीह प्रधान डाकघर में शीघ्र स्पीड पोस्ट सेल्फ बुकिंग कियोस्क स्थापित किया जाए, इसके लिए आवश्यक तकनीकी संसाधन और प्रशिक्षित कर्मियों की व्यवस्था की जाए। साथ ही, जब तक यह सुविधा शुरू नहीं होती, तब तक स्पीड पोस्ट काउंटरों की संख्या बढ़ाकर आम लोगों को लंबी कतारों से राहत दी जाए।उन्होंने उम्मीद जताई कि डाक विभाग जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण विषय पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द सकारात्मक निर्णय लेगा, ताकि गिरिडीह के लाखों नागरिकों को भी देश के अन्य प्रमुख शहरों की तरह आधुनिक, पारदर्शी और त्वरित डाक सेवाओं का लाभ मिल सके।

रांची, रविवार, 05 जुलाई, 2026

एक नजर

सरायकेला में नए जिला शिक्षा अधीक्षक अमित कुमार ने संभाला पदभार

नवप्रदेश/सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिले के नए जिला शिक्षा अधीक्षक अमित कुमार ने शनिवार दोपहर समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने जिला शिक्षा पदाधिकारी कैलाश मिश्रा से औपचारिक रूप से प्रभार लिया। इससे पूर्व अमित कुमार खूटी में अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी के पद पर कार्यरत थे। राज्य सरकार द्वारा उन्हें सरायकेला-खरसावां जिले में जिला शिक्षा अधीक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदभार ग्रहण करने के बाद अमित कुमार ने कहा कि जिले में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने विद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सभी शिक्षकों एवं विभागीय कर्मियों के सहयोग से कार्य करने की बात कही। इस अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी कैलाश मिश्रा, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी दिनेश कुमार एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने नए जिला शिक्षा अधीक्षक का स्वागत करते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री के नाम एसडीओ को अधिवक्ता ने सौंपा ज्ञापन

नवप्रदेश/चाड़िल। चाड़िल अनुमंडल बार एसोशियन के प्रेस प्रवक्ता शिवेश्वर महतो ने शनिवार को झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री के नाम पर अनुमंडल पदाधिकारी चाड़िल को एक पत्र सौंप कर बृद्धाविधवा पेंशन को वृद्धि कर प्रतिमाह

नियमित रूप से भुगतान करने की मांग की है। अधिवक्ता शिवेश्वर महतो ने बताया कि पेंशनधारी लाभुकों को प्रति माह पेंशन राशि नहीं मिलने से काफी समस्या का सामना करना पड़ता है। उन्होंने मांग किया है कि बृद्धा और विधवा पेंशन कि राशि को वृद्धि कर प्रतिमाह नियमित रूप से राशि की भुगतान की जाए।

पीले रंग में रंगा बद्दीनारायण साहा डीएवी स्कूल, 'येलो डे' पर नन्हें बच्चों ने बिखेरी प्रतिभा

नवप्रदेश/गिरिडीह। बद्दीनारायण साहा डीएवी पब्लिक स्कूल, सिरसिया में शनिवार को बाल-वाटिका (एलकेजी से कक्षा-2) के बच्चों ने उत्साह और उमंग के साथ य्हेलो डेइ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक परंपरा के अनुसार हवन-यज्ञ से हुई। इसका उद्देश्य बच्चों को पीले रंग के महत्व से परिचित कराना और खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया को रोचक बनाना था। विद्यालय परिसर को पीले रंग की आकर्षक सजावट से सजाया गया था। सभी बच्चे पीले पर्धान में विद्यालय पहुंचे और केला, आम, सूरजमुखी, नींबू, गेंद, तितली जैसी पीले रंग की वस्तुओं का परिचय दिया। बच्चों ने रंग पहचान, कविता, गीत, नृत्य और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में बड़-बढ़कर हिस्सा लिया। शिक्षिकाओं ने खेल-खेल में बच्चों को पीले रंग का महत्व, उससे जुड़ी वस्तुओं और प्रकृति में उसके उपयोग की जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सविन गर्ग ने कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। रंगों के माध्यम से सीखने से उनकी अवलोकन क्षमता, अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और रचनात्मक सोच विकसित होती है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए बच्चों, अभिभावकों और शिक्षिकाओं को बधाई दी।

मोहलीडीह में किसान संगोष्ठी: जलवायु बचाव और सीधी बुवाई की दी गई जानकारी

नवप्रदेश/मसलिया। मसलिया प्रखंड क्षेत्र के बास्कीडीह पंचायत अंतर्गत मोहलीडीह गांव के लोहिया भवन में शनिवार को आत्मा सहाय अनुदान योजना के तहत किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंचायत समिति सदस्य रंजीत कुमार मंडल उपस्थित रहे। कृषि, पशुपालन एवं सहकरिता विभाग के तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बीटीएम श्यामसुंदर सिंह एवं एटीएम मियलेश कुसुम ने किसानों को जलवायु परिवर्तन के कारण खेती पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी तथा फसलों को सुरक्षित रखने के वैज्ञानिक उपाय बताए। करेला उत्पादक किसानों की समस्याओं पर विशेष चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक सुझाव दिए गए। साथ ही कम पानी में धान की सीधी बुवाई, उन्नत बीजों के उपयोग, संतुलित उर्वक प्रबंधन और आधुनिक कृषि तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने किसानों से नई तकनीकों को अपनाकर लागत कम करने और उत्पादन बढ़ाने का आह्वान किया। किसानों ने संगोष्ठी को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की नई जानकारी मिली, जो भविष्य में उनकी खेती के लिए लाभदायक साबित होगी।

नीमडीह में 266 स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण, बच्चों के चेहरे खुशी से खिले

नवप्रदेश/चाड़िल। झारखंड सरकार की छात्र कल्याण योजना के तहत शनिवार को नीमडीह प्रखंड मुख्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं प्रखंड कल्याण पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण किया। इस दौरान नीमडीह प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के कुल 266 छात्र-छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं। इनमें 118 छात्र एवं 148 छात्राएं शामिल हैं। छात्राओं की संख्या अधिक रहने से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की सरकार की पहल भी स्पष्ट रूप से दिखाई दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि सरकार की यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए काफी लाभकारी है। साइकिल मिलने से बच्चों को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, जिससे उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ेगी और पढ़ाई में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह योजना खासकर छात्राओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिक निभा रही है। साइकिल प्राप्त करने के बाद छात्र-छात्राओं के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। बच्चों ने सरकार के इस प्रयास पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में प्रखंड कार्यालय के अधिकारी-कर्मী, विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं अभिभावक भी मौजूद रहे।



संपादकीय



समाज की अहमियत समझें युवा

आधुनिक जीवनशैली, बढ़ते शहरीकरण और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सोच ने परिवारिक एवं सामाजिक संबंधों के स्वरूप में बड़ा बदलाव ला दिया है। आज अनेक नवविवाहित दंपति, विशेषकर प्रेम विवाह करने वाले, स्वतंत्र रूप से अपना जीवन बिताना पसंद करते हैं। आत्मनिर्भर होना और अपने निर्णय स्वयं लेना अच्छी बात है, लेकिन यदि इस प्रक्रिया में परिवार और समाज से जुड़ाव पूरी तरह समाप्त हो जाए, तो कई बार जीवन की चुनौतियों का सामना करना कठिन हो सकता है। विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों और व्यापक सामाजिक संबंधों का भी मिलन माना जाता है। भारतीय समाज में परिवार और समुदाय हमेशा से सहयोग, मार्गदर्शन और भावनात्मक संबल के महत्वपूर्ण स्रोत रहे हैं। अनुभवों माता-पिता और बड़े-बुजुर्ग अपने जीवन के अनुभवों से नई पीढ़ी को धैर्य, संवाद, समझौते और जिम्मेदारी जैसे मूल्यों की सीख देते हैं। ये गुण किसी भी वैवाहिक जीवन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वर्तमान समय में यह भी सच है कि बदलती जीवनशैली, काम का दबाव और निजी स्वतंत्रता की चाह के कारण संयुक्त परिवारों का स्वरूप बदल रहा है। ऐसे में केवल यह मान लेना उचित नहीं होगा कि सभी अकेले रहने वाले दंपतियों के रिश्ते कमजोर होते हैं या सभी पारिवारिक व्यवस्थाएं समान रूप से सफल होती हैं। किसी भी वैवाहिक संबंध का आधार आपसी सम्मान, विश्वास, संवाद और संवेदनशीलता होता है। फिर भी परिवार और समाज का सकारात्मक सहयोग कठिन परिस्थितियों में संबंधों को संभालने में मददगार साबित हो सकता है। हाल के वर्षों में वैवाहिक विवादों और घरेलू हिंसा की कुछ गंभीर घटनाओं ने निता बढ़ाई है। ऐसे मामलों के पीछे अनेक कारण हो सकते हैं, जैसे संवाद की कमी, मानसिक तनाव, आर्थिक दबाव, असहिष्णुता या व्यक्तिगत समस्याएं। इसलिए इन घटनाओं का समाधान केवल सामाजिक दूरी को कारण मानकर नहीं खोजा जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं को स्वस्थ संबंधों, भावनात्मक परिपक्वता, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान और आवश्यकता पड़ने पर परिवार, मित्रों या विशेषज्ञों से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया जाए। समाज केवल परंपराओं का संरक्षक नहीं, बल्कि सहयोग, संवेदन और सामूहिक जिम्मेदारी का आधार भी है। यदि नई पीढ़ी आधुनिक सोच के साथ-साथ अपने परिवार और समाज से सकारात्मक संबंध बनाए रखे, तो व्यक्तिगत स्वतंत्रता और सामाजिक मूल्यों के बीच संतुलन स्थापित किया जा सकता है। यही संतुलन मजबूत परिवारों, स्वस्थ समाज और बेहतर भविष्य की नींव रखेगा। समाज से जुड़ाव बना रहेगा तो नित्य पति के हाथों पत्नी या फिर पत्नी के हाथों पति का कल्ल जैसी घटनाएं नहीं घटेंगी। भारतीय संस्कृति में याश्चाय सभ्यता के अनुरूप पूरी तरह से चलना संभव नहीं है। दोनों सभ्यताओं में काफी असमानता है। इसलिए जरूरी है कि शादी परिवार की सहमति से हो और शादी के बाद नवदंपति का परिवार से प्रतिदिन का संबंध बना रहे।

मुद्दा

बिहार का सांस्कृतिक पुनर्जागरण



डॉ मीना कुमारी

बिहार की पहचान केवल नालंदा, वैशाली और बोधगया तक सीमित नहीं है। यह राज्य अपनी जीवंत लोक कलाओं, लोकगीतों और पारंपरिक शिल्प के कारण भी विश्व पटल पर विशिष्ट स्थान रखता है। मधुबनी चित्रकला, मंजूषा कला, सिक्की शिल्प, सुजनी कढ़ाई, बिदेसिया और जट-जटिन जैसी विधाएं बिहार की सांस्कृतिक आत्मा हैं। किंतु तबे समय तक इन कलाओं के सुजक कलाकार सम्मान से अधिक संघर्ष का जीवन जीते रहे। उनके सामने बाजार का अभाव, पूँजी की कमी, तकनीकी पिछड़ापन और संस्थागत समर्थन का संकट था। पिछले कुछ वर्षों में यह परिदृश्य बदलने लगा है। केंद्र की ह्विारासत से विकासद्ध की नीति और बिहार सरकार के सांस्कृतिक संरक्षण एवं कोशल संवर्धन के प्रयासों ने लोक कलाकारों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय आधार तैयार किया है। आज पहली बार लोककला को केवल सांस्कृतिक रोहतर नहीं बल्कि क्रिएटिव इकोनॉमी यानी रचनात्मक अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जा रहा है। इसी सोच के अनुरूप भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने क्रिएटिव इकोनॉमी के लिए अलग नीति आधारित पहल शुरु की है, जिसका उद्देश्य सांस्कृतिक उद्योगों को रोजगार, नवाचार और वैश्विक बाजार से जोड़ना है। इस परिवर्तन की सबसे बड़ी पहचान प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना है। परंपरागत कारीगरों और शिल्पकारों को पहचान, कोशल उन्नयन, आधुनिक औजार, आधुनक ऋण, डिजिटल भुगतान और विपणन सहायता देने वाली यह योजना पहली बार शिल्पकार को केवल लाभार्थी नहीं बल्कि उद्यमी के रूप में स्थापित करती है। बिहार में इसके परिणाम उल्लेखनीय रहे हैं। सरकारी ऑकड़ों के अनुसार राज्य में 1.62 लाख से अधिक पारंपरिक कारीगर पंजीकृत हुए, 1.05 लाख से अधिक को प्रशिक्षण मिला, लगभग 19 हजार लाभार्थियों को 160 करोड़ रुपये से अधिक का रियायती ऋण मिला तथा हजारों आधुनिक टूल किट वितरित किए गए। लाभार्थियों में बड़ी संख्या अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग और महिलाओं की है। यह परिवर्तन केवल एक योजना का परिणाम नहीं है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोक्ट (ओडीओपी) जैसी पहल ने जिलों की विशिष्ट कला और उत्पादों को राष्ट्रीय पहचान देने का नया अवसर दिया है। बिहार के हस्तशिल्प और पारंपरिक उत्पाद अब स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं रह गए बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार से जोड़ने की रणनीति विकसित की जा रही है। बिहार सरकार ने भी इस दिशा में समानांतर प्रयास किए हैं। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा आयोजित बिहार दिवस, राज्य स्तरीय लोक महोत्सव, जिला स्तरीय सांस्कृतिक आयोजन, कलाकार सम्मान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों ने लोक कलाकारों को मंच उपलब्ध करवाया है। पटना का बिहार संग्रहालय तथा विभिन्न सांस्कृतिक संस्थान राज्य की लोक परंपराओं को नई पीढ़ी और पर्यटकों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि सरकार संरक्षण की पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर संस्कृति को विकास के सप्धान्त के रूप में देख रही है। मधुबनी चित्रकला इसका सबसे प्रेरक उदाहरण है। जीआई (ज्योग्राफिकल इंडिकेशन) टैग मिलने के बाद इस कला की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई है। मिथिलांचल की हजारों महिला कलाकार आज स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से देश-विदेश के बाजारों तक पहुंच रही हैं। यह केवल कला का विस्तार नहीं बल्कि महिला उद्यमिता और ग्रामीण आत्मनिर्भरता का भी सशक्त मॉडल है आज विश्व स्तर पर भी यही दृष्टिकोण विकसित हो रहा है। रचनात्मक उद्योगों को रोजगार, समावेशी विकास और स्थानीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार बना जा रहा है। भारत ने भी 20-से-बाद संस्कृति को विकास की केंद्रीय घुंरी के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस पहल की है। निःसंदेह, चुनौतियाँ अभी भी हैं। सभी कलाकारों का डिजिटल इंटरेक्स तैयार होना बाकी है। विपणन क्षमता और मजबूत करना होगा। डिजाइन नवाचार, निर्यात, ई-कॉमर्स, पर्टेंट और बौद्धिक संपत्त संरक्षण के क्षेत्र में अभी व्यापक सामंजस्य है।



रজনीश कपूर

यदि यहां कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी द्वारा स्वतंत्र जांच हो तो से भत्तों का विश्वास बना रहेगा। हालांकि उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री यह विश्वास दिलाया है कि इस मामले में कोई भी अपराधी कितना भी बड़ा क्यों न हो दूध का दूध और पानी का पानी हो कर ही रहेगा।



प्रह्लाद जोशी

भारत की व्यापक डिजिटल इंडिया यात्रा ने दिखाया है कि जब मजबूत संस्थागत प्रतिबद्धता हो, तो तकनीक सार्वजनिक सेवा अदायगी को बदल सकती है। डिजिटल पहचान और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से लेकर ऑनलाइन कराधान और स्वास्थ्य प्लेटफार्मों तक, देश ने शासन में तकनीक की भूमिका का लगातार विस्तार किया है। अब उपभोक्ता न्याय भी उन क्षेत्रों की सूची में शामिल हो गया है, जिसमें संरचनात्मक डिजिटल सुधार हो रहे हैं।



योगेश कुमार गोयल

वन महोत्सव का वास्तविक संदेश केवल सप्ताह भर लाखों पौधे लगाने तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी सफलता इस बात में निहित है कि स्थानीय जलवायु के अनुरूप नीम, पीपल, बरगद, बेल, जामुन, अर्जुन और अन्य देशज प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए तथा प्रत्येक पौधे की कम-से-कम तीन वर्षों तक नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाए।

अभिव्यक्ति

डिजिटल भारत में उपभोक्ता न्याय के लिए नई परिकल्पना

न्याय में देरी, लंबे समय से भारतीय उपभोक्ताओं के लिए सबसे बड़ी निराशाओं में से एक रही है। चाहे वह खराब उत्पाद हो, ऑनलाइन खरीदी गई वस्तु का न मिल पाना हो, या अनुचित सेवा अनुबंध हो, शिकायत दर्ज करने से लेकर राहत पाने तक की प्रक्रिया अक्सर धीमी, बोझिल और डराने वाली रही है। हालाँकि, भारत की उपभोक्ता संरक्षण व्यवस्था समय के साथ लगातार विकसित हुई है, लेकिन इसे समर्थन देने वाली प्रणाली तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के साथ कदम मिलाते हुए आगे नहीं बढ़ पायी।

आज, उपभोक्ता ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, डिजिटल भुगतान प्रणाली और ऑनलाइन बाजार में बड़े पैमाने पर लेन-देन करते हैं। उपभोक्ता न्याय की पारंपरिक व्यवस्था—जो भौतिक रूप से दखिल करने, व्यक्ति द्वारा एक-एक कर जांच करने, अलग-अलग सांठवेयर प्लेटफार्मों का उपभोग करने और आमने-सामने की सुनवाई के इर्द-गिर्द बनायी गयी थी—धीरे-धीरे अपर्याप्त सिद्ध होने लगी। डिजिटल युग में उपभोक्ता अधिकार सुनिश्चित करने के लिए केवल कानूनी सुधार ही पर्याप्त नहीं थे; इसके लिए न्याय देने के तरीके में पूरी तरह से बदलाव करने की जरूरत थी। यहाँ पर ई-जागृति एक महत्वपूर्ण बदलाव लाती है। यह सिर्फ एक तकनीक प्लेटफॉर्म नहीं है, बल्कि यह व्यवस्था के केंद्र में पहुंच, पारदर्शिता और दक्षता को रखकर उपभोक्ता विवाद समाधान के तरीके की नए सिरे से परिकल्पना करने का प्रयास है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 में एक आधुनिक फ्रेमवर्क की परिकल्पना की गयी थी, जो बाजार की उभरती वास्तविकताओं के अनुरूप काम करने में सक्षम हो। हालाँकि, कानून की भावना को प्रभावी सार्वजनिक सेवा में बदलने के लिए कई अलग-अलग पुरानी प्रणालियों को हटाकर एकीकृत डिजिटल इकोसिस्टम को अपनाने की जरूरत थी। पुराने प्लेटफॉर्म में एकरूपता की कमी, पुरानी संरचना, एक-दूसरे से जुड़कर काम करने की सीमित सुविधा और भौतिक प्रक्रियाओं पर अधिक निर्भरता जैसी समस्याएँ थीं। कई उपभोक्ताओं के लिए—विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग, वरिष्ठ नागरिक, डिवायंजन और अनिवासी भारतीय—न्याय पाने की प्रक्रिया की लागत अक्सर एक बड़ी बाधा बन जाती थी।



ई- जागृति उपभोक्ता शिकायत की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर इन संरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करती है। ओटीपी आधारित पंजीकरण और ऑनलाइन दखिल करने से लेकर डिजिटल जाँच, इलेक्ट्रॉनिक भुगतान, वचुअल सुनवाई, बहुभाषी आदेश और वास्तविक समय में मामले की निगरानी तक, यह प्लेटफॉर्म नागरिकों को किसी भीगोलिक या प्रक्रियात्मक जटिलता की बाधा के बिना न्याय पाने में मदद करता है। ऐसे बदलाव का महत्व केवल सुविधा तक ही सीमित नहीं है। यह नागरिकों और सार्वजनिक संस्थानों के बीच रिश्ते को मौलिक रूप से बदल देता है। डिजिटल वर्कफ़्लो कागजी काम को कम करते हैं, अलग-अलग अधिकार-क्षेत्रों में प्रक्रियाओं को एक जैसा बनाते हैं, विवेकाधीन देरी को कम करते हैं और पारदर्शिता बढ़ाते हैं। मामलों की स्वचालित सूची, ऑनलाइन डैशबोर्ड और तुरंत सूचना सुनिश्चित करती है कि कानूनी प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता को हर जानकारी मिलती रहे, जिससे प्रणाली में जनता का भरोसा मजबूत होता है। इस प्लेटफॉर्म ने न्याय को और अधिक समावेशी बनाने के लिए उभरती तकनीकों को भी अपनाया है। एआई-टू-टेक्स्ट कागजी व्षिक्षेपण, वॉइस-टू-टेक्स्ट काग्यंप्रणाली, टेक्स्ट-टू-स्पीच सुविधा, बहुभाषी इंटरफ़ेस, उन्नत सर्च क्षमता और पहुँच प्राप्त करने के उपकरण जैसी विशेषताओं के जरिए समाज के विभिन्न हिस्सों से अधिक लोगों की भागीदारी संभव हुई है। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग और राज्य उपभोक्ता आयोगों में हाइब्रिड वीडियो कॉन्फ़्रेंसिंग सुविधाओं का देश भर में लागू होना भी उतना ही अहम रहा है, जिससे

वचुअल सुनवाई उपभोक्ता न्याय दिलाने की प्रक्रिया का एक जरूरी हिस्सा बन गई है। दूरदर्शन के जिलों या विदेशों में रहने वाले नागरिकों के लिए, इससे कानूनी लड़ाई की वित्तीय और लॉजिस्टिक लागत दोनों काफी हद तक कम हो गई हैं। फिर भी, इस स्तर के तकनीकी बदलाव में चुनौतियाँ हमेशा मौजूद रहती हैं। डिजिटल सुधार अक्सर संस्थानों को स्थापित प्रथाओं पर फिर से सोचने के लिए मजबूर करते हैं और उपयोगकर्ताओं को अपरिचित प्रणाली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। ई-जागृति की शुरुआत के दौरान, डेटा स्थानान्तरण, भुगतान गेटवे एकीकरण, इंटरफ़ेस की उपयोगिता और लंबे समय से चल रहे मैनुअल प्रक्रियाओं में बदलाव को लेकर चिंताएँ उभरीं। कानूनी पेशेवरों और अन्य हितधारकों के कुछ हिस्सों ने नई डिजिटल व्यवस्था को अपनाने समय कुछ चिंताएं जाहिर कीं। इन चिंताओं को बाधा मानने की बजाय, कर्तान्वयन प्रक्रिया ने उन्हें निरंतर सुधार के मौकों के तौर पर देखा। उपभोक्ता आयोगों, कानूनी पेशेवरों, तकनीकी विशेषज्ञों और राज्य सरकारों के साथ व्यापक परामर्श से इस प्लेटफॉर्म को बेहतर बनाने में मदद मिली। नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, क्षेत्रीय कार्यशालाएं, वचुअल प्रशिक्षण सत्र, साप्ताहिक शिकायत निवारण संवाद और लगातार तकनीकी समर्थन से हितधारकों का नई प्रणाली में धीरे-धीरे भरोसा बढ़ा। इस अनुभव से एक महत्वपूर्ण सबक मिला: डिजिटल परिवर्तन केवल इसलिए सफल नहीं होता कि तकनीक लागू की गई है, बल्कि इसलिए सफल होता है, क्योंकि संस्थाएं उपयोगकर्ता की प्रतिक्रिया के प्रति संवेदनशील रहती हैं और निरंतर सुधार के

लिए प्रतिबद्ध रहती हैं। शुरुआती परिणाम उत्साहवर्धक हैं। थोड़े ही समय में, ई-जागृति ने लाखों उपभोक्ताओं को एक साझा डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ला दिया है, दो लाख से अधिक मामलों के दखिले की सुविधा दी है, उच्च समाधान दर हासिल की है और साठ से अधिक देशों के उपभोक्ताओं को भारत के उपभोक्ता विवाद निवारण व्यवस्था तक पहुंचने में सक्षम बनाया है। मानकीकृत डिजिटल वर्कफ़्लो ने दक्षता में सुधार किया है और उन प्रक्रियात्मक अड़चनों को कम किया है, जो पहले की प्रणाली की विशेषता थीं। राष्ट्रीय ई-शासन पुस्स्कार 2026 में रथत पुस्स्कार के माध्यम से मान्यता, न केवल एक संस्थागत उपलब्धि के रूप में, बल्कि सरकारी प्रक्रिया की सफल पुन: डिजाइन की स्वीकृति के रूप में महत्वपूर्ण है। यह पुस्स्कार इस बात को मान्यता देता है कि सार्थक डिजिटल शासन केवल मौजूदा प्रक्रियाओं को कंप्यूटीकृत करने के बारे में नहीं है; यह उन्हें सरल, तेज और नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए फिर से डिजाइन करने के बारे में है। भारत की व्यापक डिजिटल इंडिया यात्रा ने दिखाया है कि जब मजबूत संस्थागत प्रतिबद्धता हो, तो तकनीक सार्वजनिक सेवा अदायगी को बदल सकती है। डिजिटल पहचान और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से लेकर ऑनलाइन कराधान और स्वास्थ्य देखभाल प्लेटफार्मों तक, देश ने शासन में तकनीक की भूमिका का लगातार विस्तार किया है। अब उपभोक्ता न्याय भी उन क्षेत्रों की सूची में शामिल हो गया है, जिसमें संरचनात्मक डिजिटल सुधार हो रहे हैं। 'ई-जागृति' की सफलता भविष्य के शासन सुधारों के लिए भी महत्वपूर्ण सबक देती है। डिजिटल प्लेटफार्मों को संस्थाओं के बजाय नागरिकों का ध्यान खींचकर डिजाइन किया जाना चाहिए। पहुंच को बाद में सोची जाने वाली बात के बजाय एक मूल सिद्धांत के रूप में लिया जाना चाहिए। कुत्रिम बुद्धिमता को निष्पक्षता से समझौता किए बिना पारदर्शिता और कुशलता बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए। सबसे बड़कर, तकनीक को न्याय को सरल बनाना चाहिए, न कि उसमें जटिलता की नई परतें जोड़नी चाहिए। **(लेखक केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा उपभोक्ता कार्य, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री हैं)**

पर्यावरण नहीं, अस्तित्व का प्रश्न है वनों का संरक्षण

वन महोत्सव (1-7 जुलाई) पर विशेष

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। हमारे पूर्व और उत्सव केवल सामाजिक उल्लास के अवसर नहीं रहे बल्कि प्रकृति और मानव के सह अस्तित्व के प्रतीक भी रहे हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, प्रदूषण और जल संकट जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों से जुझ रही है, तब भारत में 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला वन महोत्सव केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं बल्कि पृथ्वी पर जीवन बचाने का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। वास्तव में वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है। भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है। वे केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि पृथ्वी के फेफड़े—जैव विविधता के सबसे बड़े अणु, नदियों के संरक्षक, जलवायु संतुलन के प्रहरी तथा करोड़ों लोगों की आजीविका के आधार हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ठीक पहले जुलाई 1947 में दिल्ली में चलाए गए व्यापक वृक्षारोपण अभियान ने वन महोत्सव की अवधारणा को जन्म दिया था, जिसे वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। जुलाई के प्रथम सप्ताह का वनस इसलिए किया गया क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी होने से पौधों के जीवित रहने की संभावना सर्वाधिक रहती है। आज यह अभियान भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन का जीवंत प्रतीक बन चुका है। वनों की रक्षाित विश्व स्तर पर चिंताजनक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पृथ्वी का केवल



लगभग 31 प्रतिशत भूभाग ही वनाच्छादित है जबकि प्रतिवर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र अधिष्ट कटाई, औद्योगिकीकरण, खनन और अवसरवात्मक विकास की धेंट वृह रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि यही प्रवृति जारी रही तो आगामी दशकों में विश्व के अनेक वर्षावन गंभीर संकट में पड़ सकते हैं। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और जैव विविधता से समृद्ध देश की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। भारत ने हाल के वर्षों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण की भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएसएफआर) के अनुसार, 8,27,357 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र, 2,8,3,7 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र, 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर वृक्ष आवरण शामिल है। पिछले आकलन की तुलना में कुल हरित आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज हुई। क्षेत्रफल के आधार पर मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र

वाला राज्य है जबकि अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ उसके बाद आते हैं। वहीं, वन घनत्व अनुपात में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय अग्रणी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सज असेसमेंट रिपोर्ट में भारत को कुल वन क्षेत्र के आधार पर विश्व में नौवां स्थान तथा विश्व वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में अग्रणी देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। हालांकि इन उपलब्धियों के साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हरित आवरण में हुई वृद्धि का बड़ा हिस्सा प्राकृतिक सघन वनों के बजाय खुले वनों तथा व्यावसायिक वृक्षारोपण के कारण हुआ है। प्राकृतिक वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते बल्कि हजारों वनस्थलों, जीव-जंतुओं, सूक्ष्म जीवों और जल स्रोतों का जटिल पारिस्थितिकी तंत्र होते हैं। इनका स्थान कुत्रिम पौधाारोपण कभी नहीं ले सकता। विश्व चिंता का विषय एवॉलूट भारत है, जहां सड़क निर्माण, जलविद्युत परियोजनाओं, झूम खेती, भूस्खलन तथा अन्य विकास गतिविधियों के कारण कई क्षेत्रों में वन क्षेत्र में कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर विकास परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई के बाद निरूपरक वृक्षारोपण तो किया जाता है लेकिन पौधों की देखभाल, सिंचाई और संरक्षण की अनदेखी के कारण उनमें से अधिकांश जीवित नहीं रह पाते। केवल पौधे लगा देना पर्याप्त नहीं है बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना ही वास्तविक सफलता है। आज वन मानव स्वास्थ्य के सबसे बड़े संरक्षक बन चुके हैं। वायु प्रदूषण, जल संकट और भूमि के मरुस्थलीकरण जैसी समस्याओं का सबसे प्रभावी और किफायती समाधान वृक्ष ही हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन की गति को धीमा करते हैं, ऑक्सीजन उपलब्ध कराते हैं, वर्षा वक्र को संतुलित रखते हैं, भूजल स्तर

बनाए रखते हैं तथा मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। बढ़ते प्रदूषण के कारण कैंसर, हृदय रोग, अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों में तेजी से वृद्धि हो रही है। साथ ही, अनियमित मानसून, भीषण हीटवेव, सूखा, क्लाइमेट रीज और जंगलों में आग जैसी घटनाएं स्पष्ट संकेत हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। इस संकट से निपटने के लिए भारत ने वर्ष 2030 तक अतिरिक्त 2.5 से 3 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर कार्बन सिंक विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें वनों की भूमिका निर्णायक होगी। बहरहाल, वन महोत्सव का वास्तविक संदेश केवल सप्ताह भर लाखों पौधे लगाने तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी सफलता इस बात में निहित है कि स्थानीय जलवायु के अनुरूप नीम, पीपल, बरगद, बेल, जामुन, अर्जुन और अन्य देशज प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए तथा प्रत्येक पौधे की कम-से-कम तीन वर्षों तक नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाए। जब तक पौधारोपण को जनभागीदारी और जन जिम्मेदारी का अभिन्न नहीं बनाया जाएगा, तब तक हरित भारत का सपना अधूरा रहेगा। विकास और पर्यावरण परस्पर विरोधी नहीं बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। आर्थिक प्रगति, आधुनिक तकनीक और अवसरवात्मक विकास आवश्यक हैं किंतु वे स्वस्थ वायु, शुद्ध जल और संतुलित जलवायु का विकल्प नहीं बन सकते। यदि वन सुरक्षित रहेंगे तो नदियां जीवित रहेंगी, भूजल समृद्ध होगा, जैव विविधता संरक्षित रहेगी और मानव सभ्यता का भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। इसलिए वन महोत्सव केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व और राष्ट्रीय आंदोलन बनना चाहिए। आज आवश्यकता केवल वृक्ष लगाने की नहीं बल्कि उन्हें बचाने की है क्योंकि आने वाली पीढ़ियां हमसे विकास की ऊंची इमारतें नहीं बल्कि सांस लेने योग्य स्वस्थ पृथ्वी की विरासत वाहेंगी।

एसआईटी की प्रासंगिकता : कब और क्यों जरूरी है यह टीम?



बना सकती है। परंतु इसमें राजनीतिक प्रभाव का खतरा ज्यादा होता है। टीम के सदस्य सरकारी अधिकारी होते हैं, इसलिए निष्पक्षता पर संविधान उठ सकते हैं। वहीं कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी को सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट आदेश देता है। यह एसआईटी ज्यादा निष्पक्ष और स्वतंत्र मानी जाती है क्योंकि कि यह कोर्ट की निगरानी रहती है। कोर्ट एसआईटी के काम की समय-

सीबीआई के पूर्व निदेशक आरके राघवन के नेतृत्व वाली इस टीम ने कुछ मामलों में दायित्वों को सजा अवश्य दिखाई। लेकिन कुछ मामलों में विवाद भी रहा। 2जी स्पेक्कुम घोटाला में भी सीबीआई जांच के अलावा विशेष अदालत बनी। जिसकी एसआईटी जैसी टीमों की तरह भूमिका रही, लेकिन अंत में सभी आरोपियों को बरी कर दिया गया। यानी एसआईटी हो या सीबीआई, इनको मजबूत सबूत इकट्ठा करने पड़ते हैं, वरना मामला कमजोर पड़ जाता है। एसआईटी को सफलता तब मिली जब टीम स्वतंत्र रही और सबूत मजबूत थे। असफलता तब हुई जब राजनीतिक दबाव, सबूतों की कमी या देरी ने जांच प्रभावित की। हाल ही में अयोध्या के राम मंदिर (श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट) के चढ़ावे के घोटाले के चलते एसआईटी पर फिर से चर्चा हो रही है। कुछ याचिकाओं में कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी की मांग की गई, जिसमें फॉरेंसिक और वित्तीय जांच की बात थी। परंतु राज्य सरकार ने एसआईटी के निर्देश दे सकता है। उल्लेखनीय है कि कोर्ट वाली एसआईटी पर लोगों का भरोसा ज्यादा होता है क्योंकि यह सरकार से ऊपर न्यायपालिका की छत्रछाया में काम करती है। भारत के इतिहास में कई एसआईटी बनीं जिसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाईं हैं। सुप्रीम पर कई एसआईटी को गुजरात में हुए दंगों के कई मामलों में एसआईटी गठित की।

पूछाछ टीम कहा जा रहा है। इसमें सबसे बड़ी कमी यह है कि एसआईटी बनने के बाद एफआईआर दर्ज हुई और गिरफ्तारियां की हुई। यह मामला एक मजबूत और कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी की जरूरत को रेखांकित करता है क्योंकि एक बड़े धार्मिक ट्रस्ट के चर्दे में अनियमितताओं के आरोप हैं। यदि यहां कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी द्वारा स्वतंत्र जांच हो तो से भत्तों का विश्वास बना रहेगा। हालांकि उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री यह विश्वास दिलाया है कि इस मामले में कोई भी अपराधी कितना भी बड़ा क्यों न हो दूध का दूध और पानी का पानी हो कर ही रहेगा। गौरतलब है कि आम नागरिक को एसआईटी से उम्मीद होती है कि बड़े लोग या प्रभावशाली अपराधी बच न जाएं। हालांकि, एसआईटी का दुपयोग न हो, इसके लिए कोर्ट की निगरानी जरूरी है। भारत जैसे विविधातपूर्ण देश में एसआईटी जैसी संस्थाएं न्याय व्यवस्था को मजबूत करती हैं। राम मंदिर चंदा चोरी विवाद हो या कोई अन्य मामला, एसआईटी का सही इस्तेमाल जनता के हित में होना चाहिए। हमें चाहिए कि ऐसी टीमों पर भरोसा रखें लेकिन सतर्क भी रहें। न्याय तभी सार्थक है जब वह तेज, निष्पक्ष और आम आदमी तक पहुंचे।

हुसैनाबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

मोटर चोर गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, चोरी की बोलेरो और 4 मोटर बरामद

नवप्रदेश/हुसैनाबाद/पलामू: हुसैनाबाद थाना पुलिस ने गुप्त सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर बड़ी सफलता हासिल की है। हुसैनाबाद एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला ने प्रेस वार्ता कर बताया कि पुलिस ने क्षेत्र में सक्रिय मोटर चोर गिरोह के दो शांतिर सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी की घटनाओं में इस्तेमाल की जाने वाली एक बोलेरो गाड़ी और भारी मात्रा में चोरी के मोटर बरामद किए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, जून महीने में दर्ज एक मामले के



अनुसंधान के क्रम में हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया था। इस

अभियान में छतरपुर थाना पुलिस का भी सहयोग लिया गया। पुलिस टीम ने जाल बिछाकर छतरपुर थाना क्षेत्र के

तिलैया निवासी सतीश कुमार (22 वर्ष) और कंचनपुर निवासी आनन्द कुमार (24 वर्ष) को धर दबोचा।

आरोपियों की निशानदेही पर हुई बरामदगी

गिरफ्तारी के बाद पुलिसिया पृछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की वारदातों में प्रयुक्त बोलेरो गाड़ी (पंजीकरण संख्या- खल०2फ-3449) को जब्त किया। इसके साथ ही गिरोह द्वारा अलग-अलग जगहों से चोरी किए गए चार मोटर भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने सभी सामानों को विधिवत जब्त

करते हुए सूची तैयार कर ली है। छापेमारी दल में ये थे शामिल इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में हुसैनाबाद थाने के पु०अंनि० कमल किशोर पाण्डेय, छतरपुर थाना प्रभारी पु०अंनि० सौरभ चौबे, हुसैनाबाद थाने के पु०अंनि० संतोष दास, दंगवार पिकेट के पु०अंनि० सोनू कुमार और हुसैनाबाद व छतरपुर रिजर्व गार्ड के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

चैनपुर में अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, चिप्स लदा हाइवा जल



नवप्रदेश/मेदिनीनगर। पलामू जिले के चैनपुर प्रखंड में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चिप्स (मिट्टी) लदे एक हाइवा को जब्त किया है। यह कार्रवाई शुक्रवार सुबह सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) संजय पांडेय के नेतृत्व में की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चैनपुर के दोकरा क्षेत्र में अवैध खनन से जुड़े कार्य में लगे एक हाइवा को सुबह करीब 5 बजे रोका गया। जांच के दौरान वाहन में चिप्स (मिट्टी) लदा मिला, लेकिन चालक आवश्यक परिवहन एवं खनन संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद प्रशासन ने वाहन को जब्त कर लिया। कार्रवाई के बाद चैनपुर अंचल अधिकारी ने जब्त वाहन की सूचना जिला खनन पदाधिकारी तथा संबंधित थाना को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए भेज दी है। अब मामले की जांच कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय स्तर पर इस कार्रवाई को अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन की सख्ती के रूप में देखा जा रहा है। क्षेत्र में वहां है कि हाल के दिनों में अवैध खनन और खनिज परिवहन पर निगरानी बढ़ाई गई है हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि जब्त सामग्री अवैध खनन से संबंधित थी या नहीं। इसका अंतिम निर्धारण जांच और संबंधित विभागों की रिपोर्ट के आधार पर होगा। प्रशासन ने संकेत दिया है कि अवैध खनन और बिना वैध दस्तावेजों के खनिज परिवहन के मामलों में आगे भी अभियान जारी रहेगा।

हम सबको अपने आप पर गर्व है कि हम कांग्रेस के कार्यकर्ता

और जननायक राहुल गांधी के सिपाही हैं : बिट्टू पाठक

नवप्रदेश/पलामू। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी श्री के राजू जी के पलामू आगमन पर पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राज्य सचिव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य एवं गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर बिट्टू पाठक ने कहा कि, हम सबको अपने आप पर गर्व है कि हम कांग्रेस के कार्यकर्ता और जननायक के सिपाही हैं। कांग्रेस ही देश के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करने और उनके विकास का मार्ग प्रशस्त करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक परंपराओं, सिंधान, सामाजिक न्याय, समानता और भाईदारे की विचारधारा की आगे बढ़ाने वाला एक सशक्त संगठन है। कांग्रेस ने हमेशा आम जनता, किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और वंचित वर्गों की आवाज को बुलंद करने का कार्य किया है। बिट्टू पाठक ने कहा कि कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित और संघर्षशील कार्यकर्ता हैं। संगठन की मजबूती ही पार्टी की वास्तविक शक्ति है। पंचायत स्तर तक संगठन जितना मजबूत होगा, कांग्रेस उसनी ही प्रभावी ढंग से जनता की समस्याओं को उठाकर उनके समाधान के लिए संघर्ष कर सकेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर आम लोगों से संवाद स्थापित करें, उनकी समस्याओं को सुनें तथा कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि जनता के बीच लगातार सक्रिय रहकर ही संगठन को मजबूत बनाया जा सकता है और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की जा सकती है। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने तथा जनता के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाते जा संकल्प लिया। स्वागत करता शमीम अहमद राईन ईश्वरी प्रसाद सिंह शैलेश चंद्रवंशी सुरेश पाठक अजय साहू विद्या सिंह वेरो देवांग शुक्ला मिट्टू खान राजू सिंह खुशींद आलम सच्चिदानंद मिश्रा जतरु उराव सुमन तिकी शंकर पांडे जितेंद्र पांडे शमीम अंसारी उमेश यादव अभिषेक चौधरी शशिकांत उपाध्याय मिट्टू पांडे रेखा देवी सुनीता देवी अजिताम दुबे जीतू चंद्रवंशी सोनू सिंह रामानंद पांडेय छोटू सिंह बिंघिन यादव सौरभ पाण्डेय अकील अंसारी उमेश वंदवंशी पण्णु यादव रंजीत सिंह गोपाल प्रसाद दास सिंह इर्यादिल लोग ठापरिथ

भगवान शिव की प्रतिमा के साथ निकला नगर भ्रमण, शिवमय हुआ तेंदुई गांव

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज.पीपरा प्रखंड के तेंदुई गांव में भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत शनिवार को भगवान शिव की प्रतिमा के साथ भव्य नगर भ्रमण निकाला गया. श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह, श्रद्धा और भक्ति भाव से यात्रा में भाग लिया. हर-हर महादेव के जयघोष और धार्मिक नारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा. नगर भ्रमण का नेतृत्व समाजसेवी रविंद्र कुमार सिंह एवं उनकी पत्नी पूर्व प्रमुखिया इंदु देवी ने किया. भगवान शिव की प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सुसज्जित वाहन पर विराजमान कर पूरे पंचायत क्षेत्र का भ्रमण कराया गया. जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान का स्वागत किया. समाजसेवी रविंद्र कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन सनातन संस्कृति के प्रति लोगों की आस्था को और मजबूत करते हैं. साथ ही सभी श्रद्धालुओं से आगामी धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की. नगर भ्रमण में पंकज सिंह, रंजय सिंह, विकास, हरेंद्र, निखिल, अमित, सुशील, लालबाबू, अरुण, अजय, गुड्डू, मुन्ना, सोनू, बैजनाथ सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

शहर के सभी प्रमुख मार्ग की जल्द हो मरम्मत: सन्नी शुक्ला

सन्नी शुक्ला, आशुतोष विनायक ने जर्जर सड़कों की मरम्मत की मांग को लेकर पथ निर्माण विभाग को सौंपा गया ज्ञापन

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। शहर की जर्जर एवं गड्ढों से भरी सड़कों की मरम्मत की मांग को लेकर झामुमो नेता सन्नी शुक्ला एवं आशुतोष विनायक ने पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता विनय कुमार से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शहर की प्रमुख सड़कों की तत्काल मरम्मत, गड्ढों की भराई तथा दीर्घकालिक समाधान के लिए गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराने की मांग की। सन्नी शुक्ला ने कहा कि रांची रोड, एफसीआई चौक से बैरिया चौक



होते हुए गायत्री मंदिर रोड, सूदना रोड, रैस्टेशन रोड तथा बेलवाटिका से छ:मुहान जाने वाली सड़क सहित कई प्रमुख मार्ग शहर के सबसे व्यस्त मार्ग में शामिल हैं।इन सड़कों से प्रतिदिन हजारों लोग आवागमन करते हैं, वहीं भारी वाहनों का परिचालन भी लगातार होता है। इसके बावजूद इन मार्गों की स्थिति अत्यंत खराब हो चुकी

है। जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से वाहन चालकों, राहगीरों एवं स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कहा गया कि बरसात के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाने के कारण उनकी गहराई का अनुमान नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। दोपहिया वाहन

चालक, स्कूली बच्चे, बुजुर्ग एवं पैदल चलने वाले लोग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। आए दिन छोटे-बड़े सड़क हादसे हो रहे हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। आशुतोष विनायक ने कहा कि शहर की सड़कें किसी भी नगर की पहचान होती हैं। जर्जर सड़कें न केवल आम जनता की परेशानी बढ़ाती हैं, बल्कि शहर की छवि को भी प्रभावित करती हैं। उन्होंने कहा कि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो बरसात के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी तथा आवागमन पूरी तरह बाधित होने और दुर्घटना घटने की आशंका है। उन्होंने विभाग से मांग की कि सभी प्रमुख सड़कों की तत्काल मरम्मत कर गड्ढों की भराई

कराई जाए। साथ ही जहां सड़कें अत्यधिक क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, वहां नई गुणवत्ता वाली सड़क का निर्माण कराया जाए। उन्होंने सड़क निर्माण में गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा कार्यों की नियमित निगरानी की भी मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि शहर की बढ़ती आबादी और लगातार बढ़ रहे वाहनों के दबाव को देखते हुए कई प्रमुख सड़कों का चौड़ीकरण भी आवश्यक हो गया है। इससे यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी। उन्होंने विभाग से जगहगत को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया। कार्यपालक अभियंता विनय कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आवश्यकता

कि विभाग जर्जर सड़कों की समस्या को गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने बताया कि आवश्यक स्थानों पर तत्काल गड्ढों की भराई कराई जाएगी तथा स्थायी मरम्मत के लिए टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जिन सड़कों के चौड़ीकरण की आवश्यकता है, उन पर भी विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। झामुमो नेताओं ने उम्मीद जताई कि विभाग अपने आवश्यकता के अनुरूप शीघ्र कार्य प्रारंभ करेगा, जिससे शहरवासियों को सुरक्षित, सुगम एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सके और सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।



पोखराहा फोरलेन पर सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

स्कूली बच्चों और वरदान टीम ने दिया सुरक्षा का संदेश

लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए पोखराहा फोरलेन पर आज वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट और एम.एस.ए स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान स्कूली बच्चों और वरदान टीम ने राहगीरों एवं वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने,निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा सड़क पार करते समय काफी सावधानी बरतने की सलाह दी। कार्यक्रम में उपस्थित सैकड़ों स्कूली बच्चों ने हाथों में जागरूकता संदेश



लिखी तख्तिचां लेकर लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया।अभियान का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना तथा आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम में वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट की सचिव शर्मिला वर्मा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को केवल

प्रशासन के भरोसे नहीं रोक जा सकता, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन करना होगा।वहीं एम.एस.ए स्कूल के निदेशक अफजल सफीक ने विद्यार्थियों से स्फूर्त इन सुरक्षा नियमों का पालन करने के साथ साथ अभिभावकों,परिवार एवं समाज को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

अभियान में सदर थाना प्रभारी अफजल अंसारी,शमाल अहमद, रानू सिन्हा,अंकिता वर्मा, रीता सिन्हा सहित विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाएं तथा सैकड़ों छात्र छात्राएं उपस्थित थे। थाना प्रभारी अफजल अंसारी ने कहा कि वरदान चैरिटेबल ट्रस्टका यह प्रयास काफी सराहनीय है, और ऐसे कार्यों में मेरा हमेशा सहयोग रहेगा।वहां उपस्थित सभी लोगों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और दुसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। साथ ही हाल के दिनों में वहां दुर्घटनाग्रस्त हुए लोगों को श्रद्धांजली व्यक्त की गई

गुरु तेगबहादुर सिंह के 350वें शहादत वर्ष पर सेमिनार व प्रदर्शनी का आयोजन



नवप्रदेश/प्रतिनिधि,मेदिनीनगर। गुरु तेगबहादुर सिंह जी के 350वें शहादत वर्ष पर शनिवार को मेदिनीनगर के गुरु तेग बहादुर मेमोरियल हॉल में कई कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के द्वारा श्री गुरु सिंह सभा के सहयोग से संस्कृति मंत्रालय के निदेश पर सेमिनार, प्रदर्शनी व सवद कीर्तन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर निगम की मेयर अरुणा शंकर, उप मेयर मनोज सिंह, वार्ड पार्षद साहब सिंह, शिक्षाविद व माटीकला बोर्ड के सदस्य अविनाश देव, साक्षरता मिशन के शिवशंकर प्रसाद , श्री गुरु सिंह सभा के इंद्रजीत सिंह डिंपल व गुरवीर सिंह गोलू ने किया। इस अवसर पर बोलते हुए मेयर ने कहा कि हर किसी को अपने धर्म और भाषा से प्यार होना चाहिए व उनका रक्षा करना उसका धर्म होता है। उन्होंने कहा कि पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र व श्री गुरु सिंह

सभा के द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम न सिर्फ गुरु तेग बहादुर जी के जीवनी के बारे में बतलाता है बल्कि साथ ही साथ भारत की अखंड संस्कृति और धार्मिक अवधारणा को भी परिलक्षित करती है।उप मेयर मनोज सिंह ने इस तरह के आयोजन होने पर हर्ष व्यक्त किया और इसे समाज के लिए जरूरी बताया। ज्ञानी सुंदर सिंह जी ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवनी पर प्रकाश डाला व सवद प्रस्तुत किया। सवद प्रस्तुत करने वाले में किशोर शुक्ला, राम किशोर व श्याम किशोर पांडे, प्रीति कुमारी, दशमेश मॉडल स्कूल के विद्यार्थी शामिल थे। संत मरियम स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा वंदे मातरम गीत प्रस्तुत किया गया। पूर्वी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के

कार्यक्रम अधिशाषी जयदीप घोष ने अतिथियों को सम्मानित किया, जबकि जयदीप घोष, कृष्ण कुमार, शंकर नदी, डॉ राजीव नयन, अविनाश देव, मासूम आर्ट ग्रुप को गुरु सिंह सभा के गुरविर सिंह गोलू, राजिंदर सिंह बंटी, मन्मत सिंह बग्गा, जगजीत सिंह वालिया, मंजीत कौर , रविंदर कौर, भूपेंद्र सिंह, आदि ने सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक सैकत चर्जी, मुनमुन चक्रवर्ती, प्रात प्रतीक पाल, अमर कुमार भांजा, श्यामली घोष, गुलशन मिश्रा, राहुल कुमार आदि का सक्रिय सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन अमृत कौर और धन्यवाद ज्ञापन इंद्रजीत सिंह डिंपल ने किया।

सतबरवा अंचल कार्यालय पहुंचे मेदिनीनगर सदर एसडीएम संजय पांडेय

ग्रामीणों ने जामुन आहर पर अवैध कब्जे को लेकर सौंपा आवेदन, जांच के निदेश।



नवप्रदेश/सतबरवा (पलामू): मेदिनीनगर सदर के नवपदस्थापित अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय पांडेय शनिवार को सतबरवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय SIR संबंधित काम को लेकर के अंचल कार्यालय सतबरवा परिसर में पहुंचे जहां पर पंचायत रबदा के दर्जनों ग्रामीणों ने प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) विजय कुमार और अंचलाधिकारी (सीओ) की मौजूदगी में एसडीएम संजय पांडेय को एक लिखित शिकायती पत्र सौंपा। ग्रामीणों ने पंचायत रबदा स्थित सरकारी जामुन

सरकारी फंड से बहुत बड़ा छट घाट बनाकर तैयार किया गया है, जो पूरी तरह से आदिवासी बहुल क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इस गांव की तमाम ग्रामीण जनता, विशेषकर आदिवासी समाज, इसी आहर के पानी से छट पूजा, रोजमर्रा के कार्य और खेतों की सिंचाई करते हैं। ग्रामीणों ने आवेदन में मुख्य रूप से संजय प्रसाद (पिता सुबेश प्रसाद), उमेश प्रसाद और सुरेंद्र प्रसाद (पिता रामस्वरूप प्रसाद) सहित अन्य लोगों पर आहर को जबरन भरने का आरोप लगाया है। एसडीएम ने लिया संज्ञान, बीडीओ व सीओ को दिए जांच के निदेश: मामले को गंभीरता और ग्रामीणों के दर्द को देखते हुए एसडीएम संजय पांडेय ने तुरंत इस पर संज्ञान लिया।

उन्होंने बीडीओ विजय कुमार और संबंधित अंचलाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सरकारी जलस्रोतों और आहरों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा या अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को इस मामले की जमीनी जांच करने और आहर में अवैध रूप से भरी गई मिट्टी को यथाशीघ्र बाहर निकलवाकर आहर को पूर्व की स्थिति में लाने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को कोई नुकसान न हो। इस दौरान ग्रामीणों की ओर से पंचायत समिति प्रतिनिधि अरविंद सिंह, सांसद प्रतिनिधि अनिल कुमार सिंह (वार्ड 03), नीरज कुमार, मोहन सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जनता उपस्थित रही।

एक नजर

शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर नगर भ्रमण सह झांकी का आयोजन किया गया

नवप्रदेश/हुसैनाबाद/ पलामू : शनिवार को को जपला शहर के नहर मोड़ स्थित श्री चारधाम मन्दिर परिसर में शिव शक्ति प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ को लेकर हजारों हजार संख्या में शिव भक्तो गाजे बाजे के साथ हर हर महादेव जय घोष के ज्योति लिंग को शहर भ्रमण सह झांकी का आयोजन किया गया भकलश यात्रा का आयोजन किया गया यह का कार्यक्रम समापन आगामी 5 जुलाई दिन रविवार को पूर्णाहूति, महाहवन तथा भव्य भंडारे (महाप्रसाद वितरण) के साथ किया जाएगा। इस महायज्ञ को सुचारू और सफल बनाने के लिए मन्दिर समिति के पदाधिकारी, सदस्य और स्थानीय ग्रामीण बेहद सक्रियता और निष्ठा के साथ दिन-रात जुटे हुए हैं। पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हुआ और श्रद्धालुओं में इस धार्मिक उत्सव को लेकर भारी उत्साह देखा गया मौके पर आचार्य द्रोणाचार्य अश्वत्थामा बक्सर से चलकर ओम प्रकाश शास्त्री मिथिलेश शास्त्री चार धाम अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता अजय प्रसाद गुप्ता व्यापार मंडल अध्यक्ष कृष्णा बैठा मुन्ना कुमार देव शिवपूजन प्रसाद गुप्ता अयोध्या प्रसाद गुप्ता विनोद कुमार चौधरी कुंडल साव डॉ महेंद्र विश्वकर्मा गनेश विश्वकर्मा सुरेंद्र विश्वकर्मा साल मुकेश कुमार चौधरी सत्यनारायण प्रसाद गुप्ता अजित कुमार अजय चोधरी दिनानाथ गुप्ता सहित अन्य हजारों शिव भक्त हुए सामिल.

चार माह के मासूम की हत्या मामले में मुख्य आरोपी व उसके पिता गिरफ्तार, हथियार बरामद

नवप्रदेश/हैदरनगर /पलामू: हैदरनगर थाना क्षेत्र के बिन्दु बिगहा गांव में चार माह के मासूम की हत्या एवं कंपनी पर जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी और उसके पिता को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार (बलुआ/फारसा) भी बरामद कर लिया गया है।पुलिस के अनुसार, 2 जुलाई की देर शाम पुलिस पर बैठने को लेकर गांव के फगुनी पासवान के पुत्र अतुल पासवान, आनंद पासवान और चितरंजन पासवान उर्फ शिवम के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के बाद चितरंजन ने पूरे परिवार को खत करने की धमकी दी और घर से धारदार हथियार लाकर फगुनी पासवान के भाई दीपक पासवान, उनकी पत्नी रूपा देवी और चार माह के पुत्र प्रिंस कुमार पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल तीनों को स्थानीय लोगों की मदद से अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मासूम प्रिंस कुमार को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल दीपक पासवान और रूपा देवी को बेहतर इलाज के लिए पहले एमएमसीएफ मेदिनीनगर और बाद में हिम्म रांची रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। इस संबंध में हैदरनगर थाना कांड संख्या 54/2026 दर्ज कर पुलिस ने मुख्य आरोपी चितरंजन कुमार उर्फ शिवम (29) और उसके पिता तुलसी पासवान (62) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त बलुआ/फारसा भी बरामद किया है। इस कार्रवाई का नेतृत्व हुसैनाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिव्यांश शुक्ला के निर्देशन में किया गया। छापेमारी दल में थाना प्रभारी तंजीलुल मन्नान मनीवर समेत हैदरनगर थाना के कई पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे। मामले में पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गुरु तेग बहादुर का बलिदान धार्मिक स्वतंत्रता का अमर संदेश : अरुणा शंकर

नवप्रदेश/मेदिनीनगर। पूर्वी प्रक्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय एवं गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के संयुक्त तत्वावधान में सिखाँ के नौवें गुरु, गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहादी दिवस पर स्थानीय गुरु तेग बहादुर मेमोरियल हॉल में श्रद्धांजलि अर्पणोचित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेदिनीनगर नगर निगम की मेयर अरुणा शंकर एवं विशिष्ट अतिथि संत मरियम विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने फीता काटकर तथा दीप-प्रज्वलित कर किया। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की ओर से अतिथियों को स्वागमुच्छ, अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न और शौर्य के प्रतीक तलवार भेंट कर सम्मान किया गया। अपने संबोधन में मेयर अरुणा शंकर ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का बलिदान धार्मिक स्वतंत्रता, मानवता और सामाजिक समरसता का अमर प्रतीक है। वहीं अविनाश देव ने कहा कि गुरु तेग बहादुर ने अपने प्राणों की आहुति देकर सनातन धर्म और मानवता की रक्षा की तथा उनका त्याग और बलिदान हिंदुस्तान को विश्व में गौरवशाली पहचान दिलाने वाला रहा। उन्होंने कहा कि औरंगजेब के अत्याचारों के विरुद्ध खड़े होकर गुरु तेग बहादुर ने धर्म की रक्षा के लिए सत्यवच बलिदान दिया, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में रंगकर्मी सैकत दा की भी सराहना की गई। मौके पर उप महापौर मनोज सिंह, मासिक पत्रिका सुबह की धूप के संपादक शिवशंकर प्रसाद, व्यवसायी डिम्पल जी, डॉ. राजीव नयन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने गुरु तेग बहादुर जी के शौर्य, त्याग और बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

सतबरवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचे मेदिनीनगर सदर एसडीएम

नवप्रदेश/सतबरवा (पलामू) : मेदिनीनगर सदर के नवपदस्थापित अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय पांडेय ने शनिवार को सतबरवा प्रखंड सह अंचल कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय की विभिन्न गतिविधियों, विशेषकर निर्वाचन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान, हिंदुस्तान की गूज, और टीवी 1 इंडिया न्यूज के संवाददाता राजीव कुमार ने जब एसडीएम से 105 गांवों की लाइफलाइन मनी जाने वाली मलय डैम नहर के क्षतिग्रस्त होने और क्षेत्र में हर घर नल-जल योजना की सुस्त रफ्तार का गंभीर मुद्दा उठाया, तो उन्होंने इस पर त्वरित संज्ञान लेने का भरोसा दिया।संवाददाता द्वारा यह ध्यान आकृष्ट कराय जाने पर कि मलय डैम का 18 नंबर डैम गेट पिछले 7-8 महीने पहले टूट गया था, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ था और विभाग द्वारा सिर्फ पाइप लगाकर खानापूति की गई है, एसडीएम संजय पांडेय ने अत्यंत संवर्धनकर रुख दिखाया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, चूंकि मैं यहां पर थोड़ा नया हूँ, इसलिए मलय डैम नहर मामले की बहुत विस्तृत जानकारी मुझे फिलहाल नहीं है। लेकिन आज मीडिया के माध्यम से मेरा ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया गया है। जनता और किसानों को रिलीफ (राहत) देने के लिए जी भी संभव प्रशासनिक कदम होंगे, वे जिला प्रशासन के द्वारा उठाए जाएंगे। मैं इस पूरे मामले को खुद देखूंगा, इसकी समीक्षा करूंगा और जो भी उचित व संभव कार्रवाई होगी, उसे अमल में लाते हुए पलामू उपायुक्त (डीसी साहब) को भी इस समस्या से अवगत कराऊंगा। इसके साथ ही, संवाददाता ने क्षेत्र में केंद्र व राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल-जल योजना की जमीनी फिलतला ने भी एसडीएम को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि कई गांवों में पाइपलाइन बिछाए जाने के बावजूद आज तक ग्रामीणों के घरों तक पानी नहीं पहुंचा है और लोग बूढ़-बूढ़ पानी को तरस रहे हैं।

दिवेका त्रिपाठी, महासचिव (पलामू जिला कांग्रेस कमिटी) ने टूटी हुई नाहर की तत्काल मरम्मत के लिए किसानों के हित में ज्ञापन दंेकर लगाई गुहार

नवप्रदेश/पलामू। विशेष आमंत्रित सदस्य (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमिटी) सह प्रदेश प्रभारी झारखंड कांग्रेस कमिटी के राजू जी एवं पूर्व मंत्री श्री के एन त्रिपाठी जी के पलामू आगमन पर सदर प्रखंड क्षेत्र किसान सहित जनप्रतिनिधियों ने फूल माला से स्वागत किया साथ ही साथ विवेका त्रिपाठी महासचिव (पलामू जिला कांग्रेस कमिटी) द्वारा मलय डैम से निकलने वाली टूटी हुई नाहर जो सतबरवा, सदर एवं लेस्लीगंज प्रखंड क्षेत्र के किसानों की लाइफ लाइन कही जाती है इसकी तत्काल मरम्मत के लिए किसानों के साथ सम्मिलित रूप में ज्ञापन देकर आग्रह किया उन्होंने यह भी कहा अगर यह नाहर तत्काल मरम्मत नहीं होती है तो किसानों के खेत तक पानी नहीं पहुंचेगा और तीनों प्रखंड क्षेत्र के किसानों के लगभग पांच हजार एकड़ खेती सिंचाई नहीं हो पाएगा जिससे क्षेत्र पूरी तरह अन्नहारा ग्रस्त हो जायेगा। प्रदेश प्रभारी झारखंड कांग्रेस कमिटी के राजू जी ने मीडिया के समक्ष उपस्थित किसानों को भरोसा दिलाया इसे संज्ञान में लेकर **Himself** के हित में टूटी हुई नाहर से प्रभावित किसानों को तत्काल राहत मिलेगी मेरी हर संभव प्रयास है। कार्यक्रम में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ वरीय कांग्रेसी नवल किशोर सिंह, कामाख्या सिंह, पंकज सिंह,पूर्व प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र तिवारी, अनूप तिवारी जी, प्रवीण तिवारी जी, दिनेश पासवान जी, आलमगौर खान, मृत्युंजय तिवारी, विष्णु तिवारी, अमित तिवारी, राजेंद्र चौधरी जी, मुन्ना सिंह जी, महताब अंसारी जी उपस्थित थे।

वासेपुर में प्रिंस खान के घर पर चला बुलडोजर, कोर्ट के आदेश पर हुई कुर्की

विधायक अरूप चटर्जी ने लगाए रंगदारी और जान से मारने की धमकी के आरोप, मांगी सीबीआई जांच

नवप्रदेश संवाददाता	
	
धनबाद। फरार गैंगस्टर प्रिंस खान का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने आरोप लगाया है कि प्रिंस खान गिरोह की ओर से उन्हें रंगदारी मांगी गई है और धमकी भी दी गई है। वहीं दूसरी ओर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर वासेपुर स्थित प्रिंस खान के घर पर कुर्की-जब्त की कार्रवाई शुरू कर दी है- विधायक को कॉल-मैसेज से धमकी.....	
विधायक अरूप चटर्जी के अनुसार उनके मोबाइल पर वीडियो कॉल,	



ऑडियो कॉल और मैसेज के माध्यम से रंगदारी की मांग की गई। साथ ही जान से मारने की धमकी

भी मिली। विधायक ने इस संबंध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्य के डीजीपी और धनबाद के एसएसपी

को लिखित जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि वे इस तरह की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं और पूरे

मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सीबीआई जांच कराई जाए। इस मामले में धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने कहा कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस जांच कर रही है और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

जैसीबी और ढोल-नगाड़े के साथ कुर्की.....

कोर्ट के आदेश के बाद शनिवार को सिटी एसपी ऋत्विक् श्रीवास्तव के नेतृत्व में धनबाद पुलिस की टीम वासेपुर पहुंची। पुलिस टीम जैसीबी और ढोल-नगाड़ों के साथ

प्रिंस खान के घर पहुंची और मकान को खाली कराकर कुर्की की प्रक्रिया शुरू की। सिटी एसपी ने बताया कि भवन काफी जर्जर अवस्था में है और आसपास बच्चे खेलते रहते हैं। इसके अलावा भवन का निर्माण भी स्वीकृत नक्शे के अनुसार नहीं है। सुरक्षा और न्यायालय के आदेश के अनुपालन में यह कार्रवाई की जा रही है। कोर्ट के निर्देश के अनुसार आगे की प्रक्रिया भी जारी रहेगी।डल्लेखनीय है कि प्रिंस खान लंबे समय से फरार चल रहा है और उस पर झारखंड और बिहार में रंगदारी, हत्या सहित कई संगीन मामले दर्ज हैं।

धनबाद में बिजली रिक्शों पर साइबर हमले का खतरा, चालक परेशान



नवप्रदेश/धनबाद। शहर में सस्ते परिवहन का जरिया बने बिजली रिक्शे अब कंप्यूटर शरात का शिकार हो रहे हैं। कई चालकों ने शिकायत की है कि चलते-चलते उनकी गाड़ियां अचानक बंद हो जा रही हैं। चालकों का आरोप है कि बैट-बैटरी प्रबंधन तंत्र, लॉसिंगी और ईपॉक लिथियम-आयन जैसे मोबाइल अनुप्रयोगों के जरिए शरास्रति तत्व दूरसंचार तकनीक से बैटरी के प्रबंधन तंत्र से जुड़कर रिक्शा बंद कर दे रहे हैं। ये अनुप्रयोग मूल रूप से बैटरी की चार्जिंग और सेहत जांचने के लिए बनाए गए हैं। अचानक वाहन बंद होने से यात्रियों को परेशानी होती है, चालकों की कमाई प्रभावित होती है और कई बार यात्री बिना किराया दिए ही उतर जाते हैं। सबसे बड़ा खतरा सड़क पर जाम और दुर्घटना का है। डर की वजह से कई चालक लंबी दूरी की सवारी लेने से बच रहे हैं।पीड़ित चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे अनुप्रयोगों के दुरुपयोग पर रोक लगे और बिजली रिकशों के बैटरी तंत्र को सुरक्षित बनाया जाए। विशेषज्ञों का कहना है कि मजबूत गूढ़लेखन और पहचान पुष्टि के बिना बिजली वाहन तंत्र हमेशा खतरे में रहेंगे। प्रशासन से इस मामले में तकनीकी जांच और कड़ी कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है।

जनता मजदूर संघ में 2 पुराने नेताओं की घर वापसी, संगठन को मिली नई ताकत

कतरास मोड़ कार्यालय में महामंत्री अभिषेक सिंह ने माला पहनाकर किया स्वागत,मजदूर हितों की लड़ाई होगी और तेज



नवप्रदेश/झरिया। कतरास मोड़ स्थित जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) के केंद्रीय कार्यालय में शनिवार को संगठन के लिए खुशी का माहौल रहा। केडी 10/12 पिट कोलियरी के पूर्व शाखा सचिव रामचंद्र सिंह और किशोरी साव ने एक बार फिर बच्चा गुट का दामन थाम लिया।कार्यक्रम में संगठन के महामंत्री अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने दोनों नेताओं का माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें पुनः सदस्यता दिलाई।जानकारी के मुताबिक रामचंद्र सिंह ने कुछ दिन पहले महामंत्री को आवेदन देकर त्यागपत्र वापस लेने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि वे करीब 20-25 वर्षों से स्व. बच्चा बाबू के नेतृत्व में संघ से जुड़े रहे हैं। कुछ परिस्थितियों के कारण बीच में अलग होना पड़ा,लेकिन उनकी आस्था हमेशा संघ के साथ बनी रही। वहीं किशोरी साव ने भी संगठन की नीतियों में विश्वास जताते हुए पुनः सदस्यता ली। इस मौके पर महामंत्री अभिषेक सिंह ने कहा कि जनता मजदूर संघ अपने निष्ठावान कार्यकर्ताओं का सम्मान करता है। इन दोनों की वापसी से संगठन और मजबूत होगा तथा मजदूरों के अधिकारों की लड़ाई को नई दिशा मिलेगी।कार्यक्रम में केंद्रीय संगठन सचिव मृणाल कांत सिंह, केंद्रीय सचिव जी.पी. सिंह, कुसुंडा क्षेत्रीय अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

जेलकेएम ने गठित किया केंद्रीय महिला मोर्चा

धनबाद की 5 महिलाओं को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नवप्रदेश/धनबाद। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेलकेएम) ने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से केंद्रीय महिला मोर्चा का गठन किया है। पार्टी ने राज्य के विभिन्न जिलों से महिला कार्यकर्ताओं का चयन कर उन्हें महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है। पार्टी नेतृत्व द्वारा जारी सूची के अनुसार धनबाद जिले की महिलाओं को भी मोर्चा में प्रमुख स्थान दिया गया है।लक्ष्मी महतो और कुंती देवी को वरीय उपाध्यक्ष,शहनाज प्रवीण को उपाध्यक्ष,आरती कुमारी को सचिव तथा अंजु कुमारी कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।इसके अलावा कार्यकारिणी सदस्य और अन्य पदों पर भी विभिन्न जिलों की महिला कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है।पार्टी नेताओं का कहना है कि केंद्रीय महिला मोर्चा के गठन का मुख्य उद्देश्य संगठन को गाँव और पंचायत स्तर तक विस्तार देना तथा महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। नेतृत्व को उम्मीद है कि नई टीम पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी प्रभावी भूमिका निभाएगी।

प्रिंस खान की धमकी से दहला धनबाद, नेताओं ने मांगी सांसद- गैंगस्टर लिंक की जांच

निरसा विधायक ने दर्ज कराई एफआईआर,विपक्ष ने दी आंदोलन की चेतावनी,वासेपुर में बुलडोजर कार्रवाई का किया स्वागत	
	

नवप्रदेश/धनबाद। कोयलांचल में एक बार फिर माफिया का खौफ सिर चढ़कर बोल रहा है। कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा निरसा विधायक को दी गई जान से मारने की धमकी के बाद शनिवार को धनबाद सडिंट हाउस में विपक्षी नेताओं ने मोर्चा खोल दिया। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेताओं ने जिले

की बिगड़ती कानून-व्यवस्था, रंगदारी और अपराधी-राजनीतिक गठजोड़ को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। निरसा विधायक अरूप चटर्जी सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो, बागोदर के पूर्व विधायक विनोद सिंह और बरिद

नेता विजय झा ने प्रेस वार्ता में साफ कहा कि अगर माफियाओं को राजनीतिक संरक्षण मिलना बंद नहीं हुआ तो सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन होगा।

विधायक को मिली जान से मारने की धमकी.....

निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने बताया कि प्रिंस खान ने उन्हें फोन पर जान से मारने और रंगदारी देने की धमकी दी। इसके बाद उन्होंने निरसा थाना पहुंचकर लिखित शिकायत देकर एफआईआर

दर्ज कराई। एफआईआर में धमकी भरे कॉल, मैसेज और अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस का पूरा ब्योरा दिया गया है।

सांसद-गैंगस्टर संबंधों की हो उच्चस्तरीय जांच.....

नेताओं ने धनबाद सांसद और प्रिंस खान के कथित संबंधों की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो ने कहा कि राजनीतिक शह के कारण ही अपराधियों के हाँसले बुलंद है। जब तक इस गठजोड़ को नहीं तोड़ा जाएगा, अपराध पर लगाम नहीं लगेगी।

बुलडोजर कार्रवाई की सराहना,पूरे नेटवर्क को खत्म करने की मांग.....

नेताओं ने वासेपुर में प्रिंस खान के ठिकानों पर हुई बुलडोजर कार्रवाई का स्वागत किया। पूर्व विधायक विनोद सिंह ने कहा कि एक कार्रवाई से काम नहीं चलेगा। पूरे आपराधिक तंत्र को जड़ से खत्म करने के लिए प्रशासन को और सख्त कदम उठाने होंगे।

सुरक्षा नहीं मिली तो छेड़ा जाएगा

आंदोलन.....

विपक्षी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई तो धनबाद से लेकर पूरे झारखंड में बड़ा जन- आंदोलन होगा। प्रेस वार्ता के अंत में नेताओं ने मुख्यमंत्री, डीजीपी और धनबाद एसएसपी से मांग की कि मामले के संवेदनशीलता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई कर व्यापारियों और आम जनता को भयमुक्त माहौल उपलब्ध कराया जाए।

नशा मुक्ति को लेकर निकाली प्रभात फेरी

नुक्कड़ नाटक से दिया जागरूकता का सन्देश

नवप्रदेश/अलकडिहा। नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शनिवार को आदर्श श्रमिक उच्च विद्यालय गोलकडीह के छात्र- छात्राओं ने प्रभात फेरी निकाली। इसके बाद विद्यालय परिसर में नुक्कड़ नाटक का मंचन कर लोगों को नशे से दूर रहने का सन्देश दिया गया।प्रभात फेरी विद्यालय से शुरू होकर आसपास के क्षेत्रों में निकाली गई। हाथों में तख्तियां और नशा घिरोधी नारे लगाते हुए छात्र-छात्राओं ने आम लोगों को जागरूक किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिखाया गया कि नशा किस तरह व्यक्ति के



जीवन को तबाह और बर्बाद कर देता है तथा इससे कई गंभीर बीमारियां भी होती हैं।कार्यक्रम में

मुख्य रूप से विद्यालय के प्राचाय उमेश कुमार रवानी और तिसरा थाना प्रभारी पी. रंजन उपस्थित थे।

उन्होंने बच्चों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक गणेश चटर्जी, मनोज कुमार सिंह, केशव कुमार तिवारी, पंकज कुमार रवानी, सुलेखा कुमारी, मदन मोहन मुखर्जी, इंद्रु सिंह, बंदना सपन चटर्जी, अरविन्द पाण्डेय,एमएन खान अर्जुन रवानी,अमर निषाद, नेहा कुमारी, पप्पू, आदित्य, अमित कुमार सिंह,सुनील कुमार रवानी सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मी मौजूद थे।

लायंस क्लब हरिना ने लगाया निः शुल्क स्वास्थ्य शिविर, 29 लोगों ने कराई जांच

थायरोकेर के सहयोग से हनुमान मंदिर के पास संपन्न हुआ कैंप

नवप्रदेश/बाघमारा। लायंस क्लब हरिना के द्वारा शनिवार को गोमो रोड स्थित हरिना में निःशुल्क फुल बॉडी हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। यह शिविर हनुमान मंदिर के समीप सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक चला।थायरोकेर के सौजन्य से लगे इस कैंप में क्षेत्र के 29 लाभुकों ने स्वास्थ्य जांच कराई। जांच में ब्लड प्रेशर, शुगर, कोलेस्ट्रॉल और अन्य जरूरी टेस्ट किए गए। शिविर में क्लब अध्यक्ष लायन के. सी. पाल के नेतृत्व में लायन राजेश कुमार गुप्ता, लायन सुप्रिया कुमारी, लायन सुनील कुमार सिंह, लायन आशा शर्मा, लायन शकुंतला देवी और लायन मनोज बरनवाल उपस्थित रहे। थायरोकेर की तकनीकी टीम ने जांच में सहयोग किया। अध्यक्ष लायन के. सी. पाल ने कहा स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है। क्लब का उद्देश्य हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना है। आगे भी ऐसे शिविर आयोजित किए जाएंगे।

लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल का पदस्थापन समारोह, दीपक प्रसाद बने नए अध्यक्ष

विधायक शत्रुघ्न महतो बोले- सेवा ही सच्ची पूजा है



नवप्रदेश/बाघमारा। लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल का 9वां स्थापना दिवस सह 10वां पदस्थापन समारोह बीसीसीएल डुमरा गेस्ट हाउस में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन क्लब पैट्रन एवं बाघमारा विधायक लायन शत्रुघ्न महतो,मुख्य अतिथि द्वितीय वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एमजेएफ लायन सुजीत कुमार तथा अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में पीएमजेएफ लायन गणेश प्रसाद सिंह ने 6 नए सदस्यों को क्लब में शामिल कराया। इसके बाद इंस्टॉलिंग ऑफिशर एमजेएफ लायन

मधुकर सिन्हा ने नवगठित कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

नई टीम ने संभाला पदभार.....

इस वर्ष की कमान लायन दीपक प्रसाद को अध्यक्ष, लायन शंकर नाथित को सचिव और लायन पालचंद महतो कोषाध्यक्ष के रूप में सौंपी गई। उनके साथ पूरी टीम ने पदभार ग्रहण किया। विधायक शत्रुघ्न महतो ने कहा लायंस क्लब हमेशा से सेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। नई टीम समाज के अंतिम व्यक्ति

तक मदद पहुंचाने का काम करेगी। मुख्य अतिथि लायन सुजीत कुमार ने क्लब के कार्यों की सराहना की और नई टीम को सफल कार्यों की शुभकामनाएं दी। नवनिर्वाचित अध्यक्ष लायन दीपक प्रसाद ने कहा कि उनका लक्ष्य क्लब की और सक्रिय बनाकर स्वास्थ्य, शिक्षा और रक्तदान जैसे सेवा कार्यों को नई ऊंचाई देना है। सचिव लायन विक्की रवानी ने वार्षिक बजट पेश किया। कार्यक्रम का संचालन मदन मोहन महतो और गोपाल सिंह ने किया। अंत में नार्गेड साव ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर जिले भर से लायंस क्लब के पदाधिकारी और सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद थे।

नारायणी ट्रस्ट-एसबीआई के संयुक्त शिविर में उमड़ी भीड़

गरीबों के लिए मुफ्त इलाज और परामर्श की व्यवस्था



नवप्रदेश/धनबाद। नारायणी चैरिटेबल ट्रस्ट और भारतीय स्टेट बैंक के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को उड्डिया पट्टी में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।शिविर में सुबह से ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ देखी गई।आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी सीमांत क्षेत्रों के बच्चों, युवाओं और महिलाओं की स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना था।शिविर में फिजियोथेरेपी, ऑयुपेशनल थेरेपी, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से परामर्श और स्वास्थ्य मार्गदर्शन जैसी सुविधाएं पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की गईं। आयोजकों ने बताया कि गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों को विशेष प्राथमिकता देते हुए सभी सेवाएं बिना किसी शुल्क के दी गईं।स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं घर के पास ही मिल जाती हैं। आयोजकों के अनुसार इस संयुक्त पहल का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य और जागरूकता पहुंचाना है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित करने की योजना है।

यौन शोषण के आरोपी पूर्व एसएसआई हरिमोहन मरांडी जेल भेजा गया

नवप्रदेश/धनबाद। बलियापुर् थाना में पूर्व में पदस्थापित रहे एसएसआई हरिमोहन मरांडी को न्यायालय ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उस पर दुमका की एक आदिवासी युवती से यौन शोषण का आरोप है।मामला वर्ष 2021 का है। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र की पीड़िता ने 8 मार्च 2021 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप है कि आरोपी ने रिश्तेदारी का हवाला देकर युवती को अपने झंसे में लिया और लगभग एक वर्ष तक उसका शोषण किया।मामला सामने आने के बाद से ही मरांडी फरार चल रहा था। इसी दौरान उसका तबादला धनबाद से दुमका कर दिया गया था, जहां विभागीय कार्रवाई के तहत उसे निलंबित कर पुलिस लाइन से संबद्ध कर दिया गया।पुलिस ने गुरुवार को गोड्डा से उसे गिरफ्तार किया। वहीं पीड़िता के अधिकता का कहना है कि शुक्रवार को आरोपी ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया। इसके बाद अदालत ने उसे जेल भेजने का आदेश दिया।हरिमोहन मरांडी वर्ष 2016 से 2022 तक धनबाद जिले में विभिन्न थानों में पदस्थापित रहा। मामले की जांच और आगे की विधिक प्रक्रिया जारी है।

अपराधियों पर रामगढ़ पुलिस कसेगा डिजिटल शिकंजा : एसपी



रामगढ़। रामगढ़ पुलिस अब अपराधियों पर डिजिटल तरीके से नजर रखेगी। एक तरीके से रामगढ़ जिले में अपराध करने वाला हर व्यक्ति पुलिस के डिजिटल शिकंजे में होगा। क्योंकि उसकी हर डिजिटल प्रोफाइल और उसकी निगरानी रामगढ़ जिले के अलावा दूसरे राज्यों में भी रहेगी। ऐसे अपराधियों के सूची में अभी तक 1971 लोग शामिल हैं। इस बात की जानकारी शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रामगढ़ एसपी मुकेश कुमार लुगनात ने दी। उन्होंने बताया कि अपराध नियंत्रण और सक्रिय अपराधियों की प्रभावी निगरानी के लिए क्राईम प्रोवेन्शन एंड डिटेक्शन विंग बनाया गया है। यह विंग वारदातों के त्वरित उद्बेदन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से काम करेगी। यह पूरी तरीके से तकनीक आधारित पहल है, जिसमें 36 सदस्य शामिल किए गए हैं। आरोप पत्रित अपराधियों की डिजिटल प्रोफाइलिंग एवं निगरानी के लिए एक डिजिटल क्रिमिनल मॉनिटरिंग पोर्टल भी विकसित किया गया है। एसपी ने बताया कि 1 जनवरी 2021 से 31 मार्च 2026 तक 12 केटेगरी में चार्जशीटेड 1971 अपराध कर्मियों की सूची बनाई गई है। अमर्ष एक्ट में रामगढ़ जिले के 194 अपराधी, दूसरे जिले के 119 अपराधी और झारखंड से बाहर के 25 अपराधियों का नाम शामिल है। एनडीपीएस एक्ट में रामगढ़ जिले के 51, दूसरे जिले के 17 और झारखंड राज्य के बाहर के 15 अपराधी शामिल हैं। हत्या मामले में रामगढ़ जिले के 138, दूसरे जिले के 10 और झारखंड राज्य से बाहर के पांच अपराधी शामिल हैं। रंगदारी मामले में रामगढ़ जिले के 50, दूसरे जिले के 39 और दूसरे राज्य के आठ अपराधी शामिल हैं। डकैती मामले में रामगढ़ जिले के 23, दूसरे जिले के 22 और दूसरे राज्य के दो अपराधी शामिल हैं। लूट मामले में रामगढ़ जिले के 22, दूसरे जिले के 24 और दूसरे राज्य के दो अपराधी शामिल हैं। छिनतई मामले में रामगढ़ जिले के 14, दूसरे जिले के 14 और दूसरे राज्य के छह अपराधी शामिल हैं। चोरी मामले में रामगढ़ जिले के 282, दूसरे जिले के 53 और दूसरे राज्य के 8 अपराधी शामिल हैं। गृह भेदन मामले में रामगढ़ जिले के 91, दूसरे जिले के 13 और दूसरे राज्य के पांच अपराधी शामिल हैं। वाहन चोरी मामले में रामगढ़ जिले के 101, दूसरे जिले के 99 और दूसरे राज्य के 39 अपराधी शामिल हैं।

महुदा के तेलमच्चो जंगल में युवक का शव लटका मिला, इलाके में सनसनी

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा,पहचान अब तक नहीं हो सकी	
	

नवप्रदेश/महुदा। महुदा थाना क्षेत्र के तेलमच्चो पंचायत अंतर्गत नूतनडीह कुंडी जंगल में शनिवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव पेड़ से लटक़ा मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक की उम्र करीब 22 वर्ष आंकी जा रही है।जानकारी के अनुसार सुबह खेत में धान का बीज बोने गई एक महिला की नजर पहले शव पर पड़ी। युवक नीम के पेड़ की डाली से अपनी ही लाल रंग की शर्ट से बने फंदे के सहारे लटका था। महिला ने तुरंत इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। देखते ही देखते मौके पर आसपास के गांवों से सैकड़ों लोग जमा हो गए। घटना की सूचना मिलते ही महुदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की शिनाख्त कराने की कोशिश की, लेकिन देर शाम तक उसकी पहचान नहीं हो सकी।

सदेह के घेरे में मौत....
घटनास्थल की स्थिति से मामला संदिग्ध लग रहा है। सूत्रों के मुताबिक मृतक के पैर से खून बह रहा था। उसकी पैंट पेड़ के नीचे मिली जबकि शरीर पर केवल अंडरवियर था। इन्हीं हालातों को देखते हुए ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताई है।थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट अने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल पाएगा। पुलिस मामले के सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और युवक की पहचान के लिए आसपास के थानों से भी संपर्क किया जा रहा है।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

मरकच्चो में SIR कार्यों का निरीक्षण, मतदान केंद्रों पर पहुंचे अधिकारी; बीएलओ को पारदर्शिता और समयबद्धता के निर्देश



नव प्रदेश संवाददाता

कोडरमा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उर्कष गुप्ता ने मरकच्चो प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत बूथ स्तरीय पदाधिकारियों (बीएलओ) द्वारा किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान

बीएलओ को सहयोग करना सुनिश्चित करें। तथा प्राप्त प्रपत्रों का समयबद्ध डिजिटलाइजेशन कराने में भी सहयोग करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन की आधारशिला है। प्रत्येक पात्र मतदाता का दायित्व है कि वह इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए निर्धारित एसआईआर प्रपत्र आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने बूथ स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ) को समय पर उपलब्ध कराएं, ताकि मतदाता सूची का त्रुटिरहित अद्यतन सुनिश्चित किया जा सके। उपायुक्त ने बताया कि जिले के सभी मतदान केंद्रों पर नियुक्त बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध करा रहे हैं तथा उनके विवरण का सत्यापन कर रहे हैं। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को इस कार्य को पूरी जिम्मेदारी एवं गंभीरता

के साथ संपन्न करने का निर्देश दिया। उन्होंने जिले के आम नागरिकों से भी अपील की कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान बीएलओ को आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा अपने एवं अपने परिवार के सदस्यों के नाम, पता एवं अन्य विवरणों का सत्यापन अवश्य कराएं, ताकि जिले की मतदाता सूची शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित तैयार की जा सके। वहीं, उप विकास आयुक्त श्री रवि जैन ने झुमरी तिलैया के मतदान केंद्र संख्या 77, 78, 84, 92 एवं 93 का निरीक्षण कर एसआईआर से संबंधित कार्यों की जांच की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, सुचना एवं विज्ञान पदाधिकारी सुभाष यादव, सहायक निर्वाचक निबंधक पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

बीडीओ व अंचलाधिकारी ने मतदान केंद्रों में एसआईआर कार्य का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

नव प्रदेश विजय कुमार/चंदवारा। बीडीओ सुमित कुमार एवं अंचलाधिकारी अशोक भारती ने शनिवार को मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर चल रहे कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने भोड़ो, तित्तिरचांच, एवं उरवा समेत कई पंचायतों में बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र भरने एवं मतदाताओं से संबंधित जानकारी संकलन की प्रक्रिया का निरीक्षण किया। मतदान केंद्रों में बीडीओ ने बीएलओ एवं सुपरवाइजरों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा प्रपत्र भरने में आ रही समस्याओं की जानकारी लेते हुए तत्काल समाधान किया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित की जाए और किसी भी योग्य मतदाता का नाम छूटने न पाए। साथ ही सभी प्रपत्रों को निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत भरने पर जोर दिया। बीडीओ ने कहा कि एसआईआर अभियान लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें पूरी पारदर्शिता एवं सावधानी बरतते हुए कार्य किया जाए। उन्होंने बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाताओं से संंपर्क करने तथा आवश्यक दस्तावेजों का सही सत्यापन करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान कई बीएलओ पंचायत सचिव कंप्यूटर ऑपरेटर विनेश कुमार सहित कई अन्य कर्मी भी मौजूद थे।

ग्रिजली विद्यालय के प्री. प्राइमरी विंग में ब्लू कलर डे की रंगारंग धूम नन्हें. मुन्नों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने जीता सभी का दिल

नवप्रदेश/कोडरमा। तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय के प्री-प्राइमरी विंग में नर्सरी कक्षा के नन्हें-मुन्ने बच्चों के लिए ब्लू कलर डे का उल्लासपूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को नीले रंग की पहचान कराना, उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना तथा खेल-खेल में सीखने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने पूरे उत्साह एवं आनंद के साथ राइम्स, नृत्य, रोल प्ले तथा अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का मनमोहक प्रदर्शन किया। मर्यक वर्मा ने आकर्षक राइम्स



प्रस्तुति, सुर्गोश यादव ने मनमोहक नृत्य, दिवा प्रिशा ने प्रभावशाली रोल प्ले, पायस पांडे ने रचनात्मक गतिविधि, युवराज कुमार ने उत्साहपूर्ण प्रस्तुति तथा अर्पणा यादव ने अपनी सहज एवं मनोहारी अभिव्यक्ति से सभी का मन मोह लिया। सभी विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी

प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित शिक्षकों की सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम का सफल आयोजन प्री-प्राइमरी समन्वयक बनानी नियोगी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। गतिविधि प्रभारी श्वेता प्रकाश एवं कार्यक्रम प्रभारी आरती कुमारी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार की अनुभवात्मक एवं आनंदमय गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास, रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास, सामाजिक सहभागिता तथा सीखने के प्रति रुचि को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने सभी नन्हें प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन बच्चों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन एवं शिक्षकों के सहयोग के साथ हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

राम के नाम पर वोट, मंदिरों के नाम पर नोट - भाजपा बताए आस्था का हिसाब कब देगी?

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर सता तक पहुंचने वाली भारतीय जनता पार्टी आज करोड़ों रामभक्तों के सबसे बड़े सवाल से बच रही है। देश जानना चाहता है कि भगवान के नाम पर जुटाए गए हजारों करोड़ रुपये के चंदे का पूरा और पारदर्शी हिसाब जनता के सामने कब रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जो सरकार गरीब के बैंग खाते, किसान की सब्सिडी, छोटे दुकानदार के लेन-देन और आम नागरिक के प्रत्येक रुपये का हिसाब मांगती है, वही सरकार राम मंदिर निर्माण से जुड़े बंदे की पारदर्शिता पर उठ रहे सवालों पर मौन क्यों है? यदि सरकार और संबंधित संस्थाओं के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो स्वतंत्र ऑडिट और सार्वजनिक लेखा-जोखा से परहेज क्यों?



नवप्रदेश/कोडरमा। स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर शनिवार को झुमरी तिलैया स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में स्वामी विवेकानंद के आदर्श और 2047 चरित्र निर्माण और तकनीक का संचालन शिक्षक राजीव रंजन मिश्रा ने किया तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही।

से जोड़ते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और सुशासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की उपयोगिता पर प्रभावशाली विचार प्रस्तुत किए। प्राचार्य गुरुचरण वर्मा ने कहा कि चरित्र निर्माण और तकनीक का नैतिक उपयोग ही विकसित भारत की मजबूत नींव बनेगा। निदेशिका संगीता शर्मा ने युवाओं से विवेकानंद के आदर्शों को

अपनाकर नवाचार के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक राजीव रंजन मिश्रा ने किया तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही।

अनीश सिंह को न्याय दिलाने सड़क पर उतरेगी भाकपा माले

थाना प्रभारी के खिलाफ 9 जुलाई को प्रदर्शन

नव प्रदेश संवाददाता

मरकच्चो। प्रेम नगर निवासी अनीश सिंह हत्याकांड में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने को लेकर भाकपा माले प्रखंड कमिटी मरकच्चो ने पुलिस प्रशासन को लेकर भाकपा माले प्रखंड कमिटी मरकच्चो ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को ब्लॉक चौक के समीप जिला सचिव मोहम्मद इब्राहिम के नेतृत्व में आयोजित बैठक में पार्टी नेताओं ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। बैठक में अशोक यादव, सरयू यादव, गुलाम मुस्तफा, सहदेव यादव, शिवू यादव, बहादुर यादव, अफजल शेख, दसरथ यादव, इमरान अंसारी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में कहा गया कि अनीश सिंह की हत्या को एक माह बीत चुका है, लेकिन अब तक सभी आरोपियों



की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पार्टी का आरोप है कि घटना के बाद पिटू सिंह और मवेश सिंह को नामजद अभियुक्त बनाने के लिए लिखित आवेदन दिए जाने के बावजूद पुलिस केवल आश्वासन देती रही

है। भाकपा माले ने आरोप लगाया कि पुलिस की निष्क्रियता से क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है और अपराधियों का मनोबल बढ़ रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस मुद्दे पर 9 जुलाई 2026 को बंधन

चौक से मरकच्चो प्रखंड कार्यालय तक थाना प्रभारी के खिलाफ प्रतिवाद मार्च निकाला जाएगा। भाकपा माले ने क्षेत्र की जनता से बड़ी संख्या में मार्च में शामिल होकर अनीश सिंह के परिजनों को

केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के निर्देश पर सतगावां पहुंचे निजी सचिव

अस्पताल का निरीक्षण कर बाबा घोड़सिमर धाम के विकास पर हुई चर्चा

नवप्रदेश/सतगावां। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री एवं कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी के निर्देश पर उनके अपर निजी सचिव सौरभ भूषण ने शनिवार को सतगावां प्रखंड का विस्तृत दौरा किया। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सतगावां का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया तथा अधिकारियों को मरीजों



को बेहतर, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।निरीक्षण के

दौरान अस्पताल में उपलब्ध दवाओं, मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं और एंबुलेंस सेवा की

स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अस्पताल की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुचारु बनाने को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा भी की गई।इसके बाद सौरभ भूषण ने क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाबा घोड़सिमर धाम का दौरा किया। यहां उन्होंने धाम के समग्र विकास, श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाओं के विस्तार तथा इसे प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने

कहा कि धाम के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व को देखते हुए आवश्यक विकास कार्यों के लिए पहल की जाएगी, ताकि स्थानीय लोगों के साथ-साथ दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को भी बेहतर सुविधाएं मिल सकें।इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि विनोद यादव, सतगावां मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह, बासोडीह मंडल अध्यक्ष नरेश यादव, मनोज भगत, मट्टू चौधरी, प्रवीण यादव, विकास कुमार, अवधेश कुमार, सुभाष राणा सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

एक नजर

एनवाईएस इंटरनेशनल के बच्चों ने सीसीए गतिविधियों में दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के बसरिया स्थित एनवाईएस इंटरनेशनल एकडमी में शुक्रवार को सह-पाठ्यक्रम (सीसीए) गतिविधियों के तहत विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं रचनात्मक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति, रचनात्मकता, व्यावहारिक कौशल और सीखने की क्षमता को विकसित करना था। इसमें नर्सरी से कक्षा 8 तक के बच्चों के लिए संबंदात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें पेंटब्रश और रंगीन पेंसिल के सही उपयोग की जानकारी दी गई। वहीं कक्षा 3 से 5 के विद्यार्थियों के बीज चित्रकला प्रतियोगिता तथा कक्षा 6 से 8 के छात्रों के लिए कला एवं शिल्प कार्यशाला आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने रंगों और कलात्मक अभिव्यक्तियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विद्यालय की प्राचार्या दीपशिक्षा मिश्रा ने कहा कि सीसीए गतिविधियां बच्चों के मानसिक, बौद्धिक और सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बताया कि चित्रकला, कला एवं शिल्प, वाद-विवाद तथा अन्य रचनात्मक कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और सृजनात्मक सोच का विकास करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रत्येक गतिविधि में अनुशासन और उत्साह के साथ भाग लेना अभिभावकों से बच्चों को ऐसी गतिविधियों के लिए प्रेरित करने की अपील की। कार्यक्रम का समापन प्राचार्या दीपशिक्षा मिश्रा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के सहायक प्रिंसिपल सुर्गेश शर्मा, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

24 घंटे के भीतर लगा नया ट्रांसफार्मर, सांसद प्रतिनिधि ने किया उद्घाटन, ग्रामीणों में खुशी



ट्रांसफार्मर लगाए जाने से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बहाल हो गई, जिससे स्थानीय लोगों में खुशी का माहौल है। नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन सांसद प्रतिनिधि रितु वर्णवाल ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता है। बिजली जैसी मूलभूत सुविधा में किसी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की शिकायत मिलते ही संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर शीघ्र नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया गया। ग्रामीणों ने सांसद मनीष जायसवाल, विधायक मनोज कुमार यादव तथा बिजली विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय तक बिजली बाधित रहने से दैनिक कार्यों के साथ पेयजल आपूर्ति और व्यवसाय भी प्रभावित हो रहे थे। नया ट्रांसफार्मर लगने से लोगों को बड़ी राहत मिली है। उद्घाटन कार्यक्रम में गुलाब शर्मा, प्रकाश चंद्रवंशी, सतीश केशरी, राजू राणा, सुनील केशरी, गोपाल केशरी, जितेंद्र राणा, अनिल केशरी सहित कई स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने क्षेत्र में शीघ्र बिजली बहाल होने पर प्रशन्नता व्यक्त की।

सोना सोबरन योजना के तहत लाभुकों के बीच धोती, साड़ी व लूंगी का वितरण

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड की कर्मा पंचायत स्थित जन वितरण प्रणाली दुकान में राज्य सरकार की सोना सोबरन योजना के तहत लाभुकों के बीच धोती, साड़ी एवं लूंगी का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंचायत की मुखिया देवती देवी ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लाभुक उपस्थित रहे और उन्हें निर्धारित मानकों के अनुरूप वस्त्र उपलब्ध कराए गए। मुखिया देवती देवी ने कहा कि राज्य सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों को राहत प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि पंचायत स्तर पर पूरी पारदर्शिता के साथ पात्र लाभुकों को योजना का लाभ दिया जा रहा है, ताकि कोई भी योग्य व्यक्ति वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि वितरण प्रक्रिया सुचारु, निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो। उन्होंने लाभुकों से अपील की कि वे समय पर जन वितरण प्रणाली केंद्र पहुंचकर योजना का लाभ लें तथा पंचायत में संचालित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त करें। साथ ही ग्रामीणों से उम्मीद की गई कि सफल क्रियाच्यवन में सहयोग करने का आग्रह किया। वितरण कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि, जन वितरण प्रणाली के विद्वेत्ता, पंचायत प्रतिनिधि, संबंधित कर्मी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। लाभुकों ने समय पर वस्त्र उपलब्ध कराने के लिए सरकार और पंचायत प्रतिनिधियों के प्रति संतोह व्यक्त किया। वितरण कार्य शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

नव निर्मित जलमीनार का उद्घाटन, ग्रामीणों को मिलेगा शुद्ध पेयजल

नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड की बसरिया पंचायत अंतर्गत कठम्बा गांव में नव निर्मित जलमीनार का उद्घाटन पंचायत की मुखिया मंजु देवी एवं वार्ड सदस्य पुनम देवी ने विधिवत पूजा-अर्चना और फौता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। जलमीनार के शुरू होने पर ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त करते हुए इसे गांव के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर मुखिया मंजु देवी ने कहा कि स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है। पंचायत की प्राथमिकता लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जलमीनार के संचालन से गांव के लोगों को शुद्ध पेयजल आसानी से उपलब्ध होगा, जिससे जलजनित बीमारियों पर भी रोक लगाने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को अब पानी के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा। मुखिया ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में पेयजल, सड़क, नाली और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए लगातार योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से जलमीनार की देखभाल करने तथा पानी का उपयोग जिम्मेदारी से करने की अपील की। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से गांव में पेयजल की समस्या बनी हुई थी। जलमीनार चालू होने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और स्वच्छ पानी के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि पंचायत में इसी तरह विकास कार्य आगे भी जारी रहेंगे।

भगेरिया फाउंडेशन ने बनाई फुटबॉल टीम, 'भगेरिया ब्लास्टर एफसी' से खेल प्रतिभाओं को मिलेगा नया मंच

नवप्रदेश/पश्चिम सिंहभूम। सामाजिक सेवा, शिक्षा और जनकल्याण के क्षेत्र में सक्रिय भगेरिया फाउंडेशन ने अब खेलों के क्षेत्र में भी अपनी नई पहल की शुरुआत की है। शनिवार को थाना राउर स्थित गायत्री कुंज में आयोजित प्रेस वार्ता में फाउंडेशन ने 'भगेरिया ब्लास्टर फुटबॉल क्लब' (भगेरिया ब्लास्टर एफसी) के गठन की आधिकारिक घोषणा की। क्लब का उद्देश्य क्षेत्र के प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, संसाधन और प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर उपलब्ध कराना है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए फाउंडेशन के अध्यक्ष विनोद भगेरिया ने कहा कि वर्ष 2010 से भगेरिया फाउंडेशन सामाजिक, शैक्षणिक और खेल गतिविधियों में लगातार सक्रिय रहा है। अब फुटबॉल क्लब के माध्यम से युवाओं की प्रतिभा को निखारकर उन्हें खेल के क्षेत्र में बेहतर भविष्य देने का प्रयास किया जाएगा। फाउंडेशन के सचिव मनोज भगेरिया ने बताया कि भगेरिया ब्लास्टर एफसीअपनी पहली आधिकारिक चुनौती के रूप में सेरसा पोड़ाहाट फुटबॉल लीग में हिस्सा लेगा। टीम की कप्तानी गुलशन गुड्डा करेगा। **लावालोंग प्रखंड कार्यालय का डीसी ने किया औचक निरीक्षण लापरवाही पर जताई नाराजगी, समयबद्ध सेवा देने के निर्देश**

नवप्रदेश/चतरा। चतरा के उपायुक्त रवि आनंद ने शनिवार को लावालोंग प्रखंड सह अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्था, कर्मचारियों की उपस्थिति और विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों और कर्मियों को समयबद्ध कार्य संस्कृति अपनाने तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सबसे पहले प्रखंड सह अंचल कार्यालय की उपस्थिति पंजी की जांच की। इस दौरान लावालोंग प्रखंड के कनीय अभियंता की उपस्थिति दर्ज नहीं मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद उपायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर विभागावार संचालित योजनाओं और उनके दायित्वों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मी समय पर कार्यालय पहुंचें, नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज करें तथा कार्यालयीन अनुशासन का कड़ाई से पालन करें। उपायुक्त ने कहा कि प्रखंड एवं अंचल कार्यालय आम जनता की समस्याओं के समाधान का प्रमुख केंद्र है।

दहेज की बलिवेदी पर बुझा एक और सुहाग

पतिलार में विवाहिता की संदिग्ध मौत, शव गायब, मायके पक्ष ने दहेज हत्या व साक्ष्य मिटाने का लगाया आरोप

नवप्रदेश/बगहा। संवाददाता। बगहा प्रखंड के पतिलार पंचायत अंतर्गत दुसादी पट्टी गांव में शनिवार की सुबह एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना के बाद विवाहिता का शव रहस्यमय ढंग से गायब होने तथा पूरा ससुराल पक्ष घर छोड़कर फरार हो जाने से मामला और भी गंभीर हो गया है।



मांगुरहा गांव निवासी कन्हैया यादव की लगभग 25 वर्षीय पुत्री प्रमिला देवी के रूप में हुई है। मृतका के पिता कन्हैया यादव ने बताया कि शनिवार की सुबह करीब पांच बजे उनकी पुत्री ने फोन कर कहा था कि उसे तत्काल मायके बुला लिया जाए। उन्होंने बताया कि बेटी को बुलाने के लिए बेटे को भेज रहे थे। तभी दामाद

था। विवाहिता प्रमिला देवी तथा उसकी लगभग चार वर्ष की दूसरी पुत्री का कोई पता नहीं चल सका। घटना के बाद ससुराल पक्ष के सभी सदस्य घर छोड़कर फरार मिले, जिससे हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने की आशंका और प्रबल हो गई। घटना की सूचना पर चौतरवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच प्रारंभ कर दी। वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र करने के लिए एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस संभावित स्थानों पर विवाहिता के शव की तलाश में जुटी हुई है। पीड़ित पिता ने अपने आवेदन में सास मैना देवी, देवर

राधा यादव तथा देवरानी बबीता देवी को नामजद आरोपित बनाया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 में कोरोना काल के दौरान उनकी पुत्री का विवाह हिंदू रीति-रिवाज से मुकेश यादव, पिता स्व. सुकई यादव, निवासी दुसादी पट्टी, पतिलार के साथ हुआ था। विवाह के बाद से ही दहेज की मांग को लेकर उनकी पुत्री को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। इस संबंध में पूर्व में पंचायत भी हुई थी, लेकिन ससुराल पक्ष का व्यवहार नहीं बदला। मायके पक्ष का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर प्रमिला देवी की गला दबाकर अथवा अन्य किसी हिंसक तरीके से हत्या कर दी गई तथा अपराध के साक्ष्य

मिटाने के उद्देश्य से शव को कहीं छिपा दिया गया। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच, शीघ्र शव बरामदगी तथा दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा सभी पहलुओं पर कार्रवाई जारी है।वही खबर लिखे जाने तक शव का बरामद नहीं हो पाया था।धधर सर्किल इंस्पेक्टर नीरज कुमार ने बताया कि पीड़ित परिवार के तर्फ से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है एफआईआर और आगे की कार्यवाही में पुलिस जुटी हुई है और शव की बरामदगी के लिए भी खोजबीन जारी है।

मिटाने के उद्देश्य से शव को कहीं छिपा दिया गया। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से निष्पक्ष जांच, शीघ्र शव बरामदगी तथा दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी कर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा सभी पहलुओं पर कार्रवाई जारी है।वही खबर लिखे जाने तक शव का बरामद नहीं हो पाया था।धधर सर्किल इंस्पेक्टर नीरज कुमार ने बताया कि पीड़ित परिवार के तर्फ से लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है एफआईआर और आगे की कार्यवाही में पुलिस जुटी हुई है और शव की बरामदगी के लिए भी खोजबीन जारी है।

वीआईपी नंबर वाली फॉर्च्यूनर का कहर: स्कूटी सवार दो बैंक कर्मियों की दर्दनाक मौत, चालक फरार

नवप्रदेश/मुजफ्फरपुर। जिले के बोचहां थाना क्षेत्र के आदिगापालपुर पेट्रोल पंप के पास शनिवार को हुए भीषण सड़क हादसे में निजी फाइनेंस कंपनी में कार्यरत दो महिला कर्मियों की मौत हो गई। पूर्णिया की ओर से आ रही तेज रफ्तार वीआईपी नंबर (इप७1इड90001) वाली फॉर्च्यूनर ने पीछे से स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवतियां गंभीर रूप से घायल हो गईं।मृतकों की पहचान शर्फुद्दीनपुर (गोपालपुर) निवासी नेहा कुमारी (20) और निशु कुमारी (22) के रूप में हुई है। दोनों सहेलियां थीं और स्कूटी (इप७63ड8161) से मुजफ्फरपुर शहर जा रही थीं। हादसे में नेहा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल निशु ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फॉर्च्यूनर की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद स्कूटी के परखच्चे उड़ गए और घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने दोनों युवतियों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उन्हें बाचाया नहीं जा सका।हादसे में फॉर्च्यूनर का चालक भी घायल हुआ, लेकिन वह गंभी में सवार अन्य लोगों के साथ पुलिस के पहुंचने से पहले ही मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही बोचहां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को जब्त कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

फर्जी एनकाउंटर व माॅब लिंचिंग के विरोध में भाकपा माले का प्रतिरोध मार्च

नवप्रदेश/कोईलवर/ भोजपुर। भाकपा माले के राज्यव्यापी प्रतिरोध दिवस के तहत शनिवार को कोईलवर में कार्यकर्ताओं ने फर्जी एनकाउंटर, बुलडोजर कार्रवाई, माॅब लिंचिंग एवं बढ़ते अपराध के विरोध में प्रतिरोध मार्च निकाला। मार्च माले कार्यालय से शुरू होकर कपिलदेव चौक पहुंचा, जहां सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए माले के प्रखंड सचिव विष्णु ठाकुर ने आरोप लगाया कि राज्य में फर्जी एनकाउंटर, माॅब लिंचिंग और गरीबों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने बिलौटी एनकाउंटर व नालंदा की घटना का उल्लेख करते हुए इन मामलों की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार की नीतियों की भी आलोचना की। सभा के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने सभी घटनाओं पर तत्काल रोक लगाने तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की। मौके पर भोला यादव, चंदेश्वर राम, दशरथ सिंह, गंगा सागर प्रसाद, सुरेंद्र साव, भागीरथ मांझी, विजय माली, प्रसाद मांझी, कमलेश कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

दो सार्जेंट बने सार्जेंट मेजर, एसपी ने लगाया एक-एक सितारा

नवप्रदेश/आरा (भोजपुर)। पुलिस केन्ड आरा भोजपुर में आयोजित गरिमाययी पाइपिंग सेरेमनी के दौरान सार्जेंट नीरज कुमार एवं सार्जेंट धर्मराज कुमार को पदोन्नति के उपरांत सार्जेंट मेजर के पद पर औपचारिक रूप से अलंकृत किया गया। इस दौरान भोजपुर पुलिस अधीक्षक राज ने दोनों अधिकारियों के कंधों पर एक-एक सितारा लगाकर उन्हें नई जिम्मेदारी का दायित्व सौंपा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने दोनों पदोन्नत अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि पदोन्नति केवल सम्मान ही नहीं, बल्कि अधिक जिम्मेदारी का प्रतीक भी है। उन्होंने दोनों अधिकारियों को पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और कर्तव्यपरायणता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा आमजन के प्रति संवेदनशील एवं जवाबदेह रहकर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान पुलिस केन्द्र के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान भी मौजूद रहे और दोनों अधिकारियों को पदोन्नति पर शुभकामनाएं दीं।

अस्पताल पहुंचे सीएम सम्राट चौधरी, मंत्री रामकृपाल यादव का जाना हालचाल

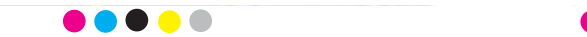
नवप्रदेश/पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को पटना स्थित जयप्रभा मेदांता अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। इस दौरान मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों से मंत्री के इलाज और स्वास्थ्य की मौजूदा स्थिति की विस्तृत जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।जानकारी के अनुसार, रामकृपाल यादव को हृदय संबंधी समस्या के बाद मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था।



कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने मंत्री को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डॉक्टरों ने भी मुख्यमंत्री को बताया कि इलाज का सकारात्मक असर दिख रहा है और मंत्री की तबीयत पहले से

बेहतर है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मेदांता अस्पताल पहुंचकर रामकृपाल यादव का हालचाल ले चुके हैं। उनके साथ खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अशोक चौधरी भी मौजूद थे।

दोनों नेताओं ने डॉक्टरों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेकर कामना की थी। अगर चाहें, मैं इसे टीवी/वेब पोर्टल स्ट्राइल में और अधिक आकर्षक बना सकता हूँ।



प्रॉपर्टी डीलर की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या, मंदिर में पूजा के दौरान बरसाईं गोलियां

नवप्रदेश/मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले में अपराधियों ने एक बार फिर बेखौफ होकर बड़ी वादादत को अंजाम दिया है। सिवाईपट्टी थाना क्षेत्र के डेरा चौक स्थित मंदिर में पूजा करने पहुंचे प्रॉपर्टी डीलर श्याम कुमार कुशवाहा उर्फ श्याम सुंदर प्रसाद की शनिवार को अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार, श्याम कुमार कुशवाहा रोज की तरह सुबह मंदिर में पूजा करने पहुंचे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने उन पर बेहद करीब से कई राउंड फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वह मौके पर गिर पड़े, जबकि हमलावर हथियार लहराते हुए फरार हो गए।घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों ने गंभीर रूप से घायल श्याम कुमार कुशवाहा को इलाज के लिए एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारादात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही सिवाईपट्टी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। शुरूआती जांच में घटना का संबंध जमीन के कारोबार से जुड़े विवाद से होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि अभी तक परिजनों की ओर से किसी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। बताया जाता है कि मृतक श्याम कुमार कुशवाहा किताब की दुकान चलाने के साथ-साथ स्थानीय पूर्व मुखिया के साथ मिलकर प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य भी करते थे। पुलिस का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।



एक नजर

मध्य विद्यालय शिवगंज में अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी, ड्रॉपआउट रोकने पर दिया गया जोर

नवप्रदेश/डेहरी-ऑन-सोन (रोहतास)। स्थानीय मध्य विद्यालय शिवगंज में प्रधानाध्यापक संजय कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार के निर्देशानुसार अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य विषय ड्रॉपआउट, सरकारी योजनाएं एवं विद्यालय की मौलिक सुविधाएं रहा। प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने अभिभावकों को विद्यालय की शैक्षणिक एवं भौतिक सुविधाओं, पोशाक, छात्रवृत्ति, मध्याह्न भोजन, पुस्तकालय, खेलकूद सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यालय में बच्चों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं, फिर भी कुछ बच्चे पढ़ाई छोड़ रहे हैं। इसके लिए अभिभावकों की जागरूकता और नियमित सहयोग आवश्यक है। उन्होंने सभी अभिभावकों से बच्चों को प्रतिदिन नियमित रूप से विद्यालय भेजने तथा ड्रॉपआउट बच्चों को पुनः विद्यालय से जोड़ने में समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। संगोष्ठी में लगभग 110 अभिभावकों ने भाग लिया। इस अवसर पर शिक्षिका चंचल द्विवेदी, प्रेमचंद्र प्रसाद, नरेश प्रसाद, मंगू गुप्ता, नसरीन, दिभा रानी एवं आयुषी गौतम सहित विद्यालय के सभी शिक्षकों ने वर्णवार संगोष्ठी आयोजित कर अभिभावकों को विभिन्न विषयों की जानकारी दी।

नवप्रदेश/तराही। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुंदन कुमार ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग समेत कई अधिकारियों के साथ बैठक किया। बैठक में मुख्य रूप से टीवी मुक्त भारत अभियान और 7 जुलाई को लगने वाले सहयोग शिविर की तैयारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में चिकित्सा पदाधिकारी अभयकांत चौधरी ने कहा कि भारत में टीवी मरीजों के बेहतर इलाज को लेकर केंद्र सरकार गंभीर है। स्वास्थ्य विभाग के निश्रय पोर्टल पर टीवी मरीजों का स्कैनिंग कर लाभ देने का प्रयास हो रहा है। तराही में टीवी मरीजों के बेहतर इलाज के लिए सभी लोगों का सहयोग जरूरी है। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुंदन कुमार ने पदाधिकारियों से कहा कि 7 जुलाई को लगने वाले सहयोग शिविर को सफल बनाने में आप लोगों की भूमिका अहम है। दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले आवेदकों की समस्या का निदान करना प्रखंड के पदाधिकारी और कर्मियों की नैतिक जिम्मेदारी है। सभी पदाधिकारी और कर्मियों के सहयोग से ही यहां की समस्या का निदान किया जा सकता है। शिविर में उम्मीद के साथ आवेदक पहुंचते हैं और उनके उम्मीदों पर खरा उतरना प्रखंड के अधिकारियों और कर्मचाी की एक अहम जिम्मेदारी है। बैठक में प्रखंड के योजनाओं और समस्याओं पर भी चर्चा हुई। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अनीता चौधरी, पंचायती राज पदाधिकारी कार्यक्म पदाधिकारी रामशंकर दूबे, मार्केटिंग ऑफिसर समेत कई लोग इस बैठक में मौजूद रहे।

टीवी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने को लेकर बैठक आयोजित

नवप्रदेश/तराही। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुंदन कुमार ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग समेत कई अधिकारियों के साथ बैठक किया। बैठक में मुख्य रूप से टीवी मुक्त भारत अभियान और 7 जुलाई को लगने वाले सहयोग शिविर की तैयारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में चिकित्सा पदाधिकारी अभयकांत चौधरी ने कहा कि भारत में टीवी मरीजों के बेहतर इलाज को लेकर केंद्र सरकार गंभीर है। स्वास्थ्य विभाग के निश्रय पोर्टल पर टीवी मरीजों का स्कैनिंग कर लाभ देने का प्रयास हो रहा है। तराही में टीवी मरीजों के बेहतर इलाज के लिए सभी लोगों का सहयोग जरूरी है। प्रखंड विकास पदाधिकारी कुंदन कुमार ने पदाधिकारियों से कहा कि 7 जुलाई को लगने वाले सहयोग शिविर को सफल बनाने में आप लोगों की भूमिका अहम है। दूर दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले आवेदकों की समस्या का निदान करना प्रखंड के पदाधिकारी और कर्मियों की नैतिक जिम्मेदारी है। सभी पदाधिकारी और कर्मियों के सहयोग से ही यहां की समस्या का निदान किया जा सकता है। शिविर में उम्मीद के साथ आवेदक पहुंचते हैं और उनके उम्मीदों पर खरा उतरना प्रखंड के अधिकारियों और कर्मचाी की एक अहम जिम्मेदारी है। बैठक में प्रखंड के योजनाओं और समस्याओं पर भी चर्चा हुई। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अनीता चौधरी, पंचायती राज पदाधिकारी कार्यक्म पदाधिकारी रामशंकर दूबे, मार्केटिंग ऑफिसर समेत कई लोग इस बैठक में मौजूद रहे।

बेकाबू हाइवा ने मचाई तबाही: 6 वर्षीय मासूम समेत 6 भैंसों की मौत

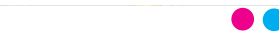
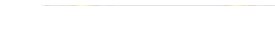
नवप्रदेश/बांका। बिहार के बांका जिले के बाँसी-हंसडीहा राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। झारखंड से खाद लादकर आ रहा एक तेज रफ्तार हाइवा बाँसी थाना क्षेत्र के भंडारी चक गांव के पास ओवरटेक के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में घर के बाहर मौजूद 6 वर्षीय हैप्पी कुमार वाहन के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घर के बाहर बंधी छह भैंसें भी हाइवा और खाद के नीचे दबकर मर गईं, जबकि एक अन्य भैंस गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों ने माआवजे और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग नुमा कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस को भी ग्रामीणों के गुस्से का सामना करना पड़ा। आरोप है कि आक्रोशित लोगों ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया, जिसमें एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा, पंजवारा थानाध्यक्ष चंदन कुमार, एसआई दिलीप यादव, हमगाई जवान सुजीत कुमार गुप्ता और वाहन चालक प्रकाश कापरी समेत कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। सभी घायलों का बाँसी रेफरल अस्पताल में इलाज कराया गया।बाद में प्रशासन ने हाइड्रॉ और जेनरीवी की मदद से पलटें हाइवा को हटाकर मासूम के शव को बाहर निकाला। बाँसी थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और ओवरटेक के दौरान वाहन के अनियंत्रित होने की बात सामने आई है। वहीं पुलिस पर हमले के मामले में वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

छावनी आरओबी एवं एनएच पर सड़क सुरक्षा संबंधी कार्यों की जिला पदाधिकारी ने की समीक्षा

नवप्रदेश/बेतिया। जिले में सड़क सुरक्षा को और सटुढ़ बनाने तथा छावनी स्थित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) एवं सर्विस लेन के निर्माण और मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी तनजोत सिंह ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित समीक्षा बैठक में जिला पदाधिकारी ने राष्ट्रीय उच्च पथ (एनएच) पर अतिक्रमण हटाने, दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। जिला पदाधिकारी ने कार्यालयक अभिगता, एनएच को निर्देश दिया कि सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को तत्काल हटया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिन लोगों को पूर्व में नोटिस जारी किए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया है, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही राष्ट्रीय उच्च पथ पर व्हाइट लाइन मार्किंग, आवश्यक यातायात संकेतक (साइनेज) लगाने तथा सड़क सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में छावनी ओवरब्रिज के नीचे पेदर ब्लॉक लगाने, राष्ट्रीय उच्च पथ पर नियमित पेट्रोलिंग, ट्रॉली एवं बैरियर की स्थापना तथा दुर्घटना संभावित स्थलों पर सुरक्षा के सभी आवश्यक उपाय शीघ्र लागू करने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। जिला पदाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं, ताकि आमजन को सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध हो सके। बैठक में नगर आयुक्त, नगर निगम बेतिया शिवाक्षी दीक्षित, विशेष कार्य पदाधिकारी (जिला गोपनीय शाखा) सुजीत कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी बेतिया सदर विकास कुमार, पुलिस उपअधीक्षक (यातायात), जिला परिवहन पदाधिकारी श्रीमती रितु राठी तथा संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर चलकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाएं युवा : श्रेयसी

नवप्रदेश/बिक्रमगंज (रोहतास)। भारतीय जनता युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा, रोहतास के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को डी.पी.एस. स्कूल, धावा (बिक्रमगंज) में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 125वें स्मरण पक्ष के अवसर पर छात्र-छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रितेश राज ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार की उद्योग एवं खेल मंत्री श्रेयसी सिंह मौजूद रही। अपने संबोधन में मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रवाद, शिक्षा, अखंड भारत और जनसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शिक्षा, कौशल विकास, स्टार्टअप, रोजगार और खेल के क्षेत्र में युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसर उपलब्ध हुए हैं। साथ ही बिहार सरकार भी युवाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।



संक्षिप्त खबरें

जुलाई माह के अंत तक दालमंडी चौड़ीकरण का काम पूरा कर लिया जाएगा

वाराणसी। वाराणसी में दालमंडी चौड़ीकरण अभियान में मस्जिदों पर चल रहे हथौड़े की आवाज के बीच लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता के.के. सिंह ने कहा कि जुलाई माह के अंत तक दालमंडी चौड़ीकरण में चिन्हित मकानों मस्जिदों को जर्मांदोज करने का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद मलबा हटाने के साथ ही निर्माण कार्य आरंभ हो जाएगा। एक मस्जिद को और तोड़े जाने के लिए वार्ता हुई है। बहुत जल्द ही उस पर भी हथौड़ा चलेगा। दालमंडी में ध्वस्तीकरण अभियान में मुख्य भूमिका निभाने वाले के.के.सिंह ने कहा कि दालमंडी में ध्वस्तीकरण अभियान के बाद एक सुगम रास्ता निकलेगा। जिससे काशी विश्वनाथ मंदिर तक जाने के लिए सरलता हो जाएगी। वही, दूसरी ओर शनिवार को दालमंडी में मस्जिदों पर हथौड़ा चलाने के काम में और तेजी लाई गई। हथौड़े की आवाज से पूरी दालमंडी की गली शोरगुल से गुंज उठी। दालमंडी में मस्जिदों के बाहर फैला मलबा को भी हटाने का काम भी चलता रहा। दालमंडी में पहली बार देखा गया कि बड़े अधिकारी एक जगह खड़े होकर ध्वस्तीकरण को देखते हुए मिले।

राष्ट्रीय मंच पर देवांशी का जलवा, स्वर्ण पदक जीतकर नेरचौक मेडिकल कॉलेज का बढ़ाया गौरव

मंडी। श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय आधुर्विज्ञान महाविद्यालय एवं अस्पताल एमएलबीएसजीएमसी एंड एच, नेरचौक की मेधावी एमबीबीएस अंतिम वर्ष की छात्रा देवांशी ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। देवांशी ने डॉ. आरपीजीएमसी एंड एच, टांडा में आयोजित प्रतिष्ठित मेड-एसेंट सम्मेलन में स्वर्ण पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 20 से 21 जून 2026 तक आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के मेडिकल कॉलेजों के स्नातक छात्रों ने भाग लिया। देवांशी ने क्लिनिकल केस प्रेजेंटेशन और रिसर्च पोस्टर प्रेजेंटेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। देवांशी की यह सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरे वर्ष इस राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा और मेहनत का लोहा मनवाया है। पिछले वर्ष भी उन्होंने इसी सम्मेलन में क्लिनिकल केस प्रेजेंटेशन और रिसर्च क्वेश्चन प्रेजेंटेशन में स्वर्ण पदक हासिल किया था। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. राजेश कुमार ने अपने कार्यालय में देवांशी को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि देवांशी की यह उपलब्धि पूरे संस्थान के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। इस अवसर पर संचारी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रणेश चौहान, कम्प्युनिटी मेडिसिन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. घनश्याम वर्मा तथा डॉ. राकेश यादव सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे सभी ने देवांशी को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जैलों में बंद कानूनी सजा पूरी कर चुके सिखों की रिहाई की मांग को लेकर रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन

चंडीगढ़। कानूनी सजा पूरी कर चुके देशभर की जेलों में बंद सिखों की रिहाई की मांग को लेकर शनिवार को कोमी इंसाफ मोर्चा ने फतेहगढ़ साहिब में रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए कई संगठनों के प्रतिनिधि और समर्थक सुबह गुरुद्वारा श्री फतेहगढ़ साहिब में एकत्र हुए। इसके बाद अंबाला-लुधियाना रेलवे ट्रैक जाम कर धरना दिया। पकड़ 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक दिए गए धरने के दौरान रेलगाड़ियों का आवागमन प्रभावित हुआ। आंदोलन के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी। कोमी इंसाफ मोर्चा नेताओं ने कहा कि कानूनी सजा पूरी कर चुके बंदी सिखों को अभी भी जेलों में रखना मानवाधिकारों और न्याय के बुनियादी सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है। इसके साथ ही मोर्चे ने एक और बड़ी मांग रखते हुए कहा कि ‘काली सूची’ में दर्ज करीब 20 हजार सिखों के नाम तुरंत बाहर किए जाने चाहिए। कोमी इंसाफ मोर्चा असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल सिंह, बलवंत सिंह राजोआणा, जगतार सिंह हवारा, जगतार सिंह वारा, परमजीत सिंह भियोरा व कई अन्यो को रिहा करने की मांग कर रहा है।

मुरादाबाद जिले की दो चीनी मिलों पर अभी भी किसानों का 28.70 करोड़ रुपये बकाया, नोटिस जारी
मुरादाबाद। मुरादाबाद जिले की दो चीनी मिलों पर अभी भी किसानों का 28.70 करोड़ रुपये बकाया है। इस मामले में उप गन्ना आयुक्त हरपाल सिंह की तरफ से दोनों मिलों को शीघ्र भुगतान करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। जिले में चार चीनी मिलें मौजूद हैं। रानी नांगल और अगवानपुर की चीनी मिल ने किसानों का शत प्रतिशत बकाया चुकता कर दिया है लेकिन राणा ग्रुप की दो चीनी मिलें बिलारी और बेलवाड़ा ने अभी पूरा भुगतान नहीं किया है। बिलारी चीनी मिल पर किसानों का 12 करोड़ और बेलवाड़ा चीनी मिल पर 16.70 करोड़ रुपये बकाया है। उप गन्ना आयुक्त का कहना है कि मुरादाबाद में चीनी मिलों ने 97 प्रतिशत का भुगतान कर दिया है।

चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी छोड़ा ममता का साथ तृणमूल के प्रदेश अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक उलल-पुथल के बीच बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी को पत्र लिखकर प्रदेश अध्यक्ष पद छोड़ने की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी और उसकी विभिन्न इकाइयों के बैंक खातों की हस्ताक्षरकर्ता तथा निर्वहन आयोग के समक्ष पार्टी का प्रतिनिधित्व करने सहित सभी प्रशासनिक जिम्मेदारियों से भी स्वयं को मुक्त करने का अनुरोध किया है। राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, चंद्रिमा भट्टाचार्य के पुत्र सौरभ बसु के हाल ही में ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले तृणमूल के रागी गुट में शामिल होने के बाद से ही उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। इसी घटनाक्रम के बीच उनके इस्तीफे ने पार्टी की अंदरूनी स्थिति को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। इस्तीफे के बाद मीडिया से बातचीत में चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि उन्हें किसी व्यक्ति या नेता से कोई शिकायत नहीं है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ परिस्थितियों के कारण उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग गए हैं और इसी वजह से उन्होंने पद छोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने यह भी स्पष्ट नहीं किया कि वह आगे ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस में बनी रहेंगी या नहीं।

काशी धर्म, संस्कृति और संगीत की नगरी ही नहीं

बॉलीवुड अभिनेत्री ने लंका चौराहे पर बनारसी लरसी का स्वाद चखाकर की सराहना

वाराणसी। बॉलीवुड अभिनेत्री भाग्यश्री इन दिनों काशी प्रवास पर हैं। शनिवार को उन्होंने लंका चौराहे पर स्थित पहलवान लरसी की दुकान पर पहुंचकर बनारसी लरसी का स्वाद चखा और काशी के पारंपरिक खानपान की खुलकर सराहना की। फिल्म ‘मैंने प्यार किया’ से लोकप्रिय

बल्कि पारंपरिक व स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए विश्वभर में रखता है विशेष पहचान : अभिनेत्री भाग्यश्री



स्वाध्यािकारी यशवंत घोटे के लिए प्रकाशक, मुद्रक मधुकर सिंह, मां तपेश्वरी मीडिया एंड पब्लिकेशन प्रा0 लिमिटेड, सिंहमोड़ कल्याणपुर हटिया, अपोजित एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग, द्वारा रांची से प्रकाशित कर, तपो प्रिंटर, गुटूआ मौजा, प्लॉट न.-1124/1125, कटहल मोड़, थाना-नगड़ी, दयाल पेट्रोल पंप के बगल में, रांची (झारखंड) से मुद्रित, (न्याय क्षेत्र रांची) संपादक-सचिन कुमार सिंह, स्थानीय संपादक-उपेन्द्रनाथ पांडेय* (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार*) , फोन नं.-०651-2910972, ईमेल - navpradeshranchi@gmail.com (RNI No. JHAHIN/2016/68458)

इच्छाशक्ति, कूटनीति और रिफाइनिंग क्षमता से भारत ऊर्जा संकट से उबरा : मोदी

बालोतरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण 21वीं सदी का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट पैदा हुआ लेकिन नए भारत की इच्छाशक्ति, समय पर लिए गए फैसलों, प्रभावी रणनीति, संसाधनों के संतुलित उपयोग और कूटनीतिक ताकत के दम पर देश इस संकट से सफलतापूर्वक बाहर निकल आया। उन्होंने

कहा कि जब दुनिया के कई देशों ने अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए बजट काटने और करों को बढ़ाने के फैसले लिए तो भारत ने अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए बजट काटने और करों को बढ़ाने के फैसले किए। उन्होंने कहा कि भारत ने अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए बजट काटने और करों को बढ़ाने के फैसले किए। उन्होंने कहा कि भारत ने अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए बजट काटने और करों को बढ़ाने के फैसले किए।

इंधन संकट और बढ़ती कीमतों से जुड़ा रहे थे, तब भारत ने पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की उपलब्धता तथा कीमतों को नियंत्रित रखा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब सार्वजनिक तौर पर कुछ लोग अफवाहें और आशंकाएं फैला रहे थे, तब सरकार दिन-रात हालात संभालने, नीतिगत और कूटनीतिक

स्तर पर फैसले लेने तथा संकट से देश को बाहर निकालने में जुटी थी। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का इतिहास कभी न कभी जरूर लिखा जाएगा। मोदी ने कहा कि युद्ध के कारण घरेलू एलपीजी, पेट्रोल और डीजल पर बड़ा संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने बताया कि भारत की लगभग 60 प्रतिशत एलपीजी आवश्यकता आयात से पूरी होती थी और उसमें से 90 प्रतिशत आपूर्ति खाड़ी देशों से होर्मुज मार्ग के जरिए आती थी, जो युद्ध जैसे हालात के कारण लगभग रुक गई। इसके बाद सरकार ने रिफाइनरियों की क्षमता का बेहतर उपयोग करने का फैसला किया। जिन रिफाइनरियों में पहले टन प्रतिदिन से बढ़कर 54 हजार मीट्रिक टन प्रतिदिन हो गया। जिन रिफाइनरियों में पहले कभी एलपीजी का उत्पादन नहीं किया था, उन्हें भी इसके लिए तैयार किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि रसोई गैस की पूरी मांग का बोझ केवल

एलपीजी पर न पड़े। इसके लिए पाइपड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन बढ़ाने का अभियान चलाया गया और बहुत कम समय में 11 लाख से अधिक घरों को पीएनजी से जोड़ दिया गया। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार संकट के दौरान घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत दो हजार रुपये तक पहुंच सकती थी लेकिन सरकार ने इसे 950 रुपये से कम कीमत पर उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई और आयात के रास्ते भी बाधित हो गए। दुनिया के अनेक देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 40 से 50 प्रतिशत तक वृद्धि हुई तथा कई देशों में इंधन की राशिनंग करनी पड़ी लेकिन भारत में एक दिन के लिए भी ऐसी स्थिति नहीं आई। मोदी ने कहा कि अप्रैल से जून के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को अकेले 75 हजार करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा, जो एक नई रिफाइनरी बनाने की लागत के बराबर है लेकिन सरकार ने यह बोझ जनता

पर नहीं पड़ने दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर प्रति लीटर 10 रुपये उत्पाद शुल्क भी कम किया ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि संकट के समय भारत की कूटनीतिक ताकत और दूसरे देशों के साथ मजबूत संबंध बहुत काम आए। उन्होंने कहा कि संकट शुरू होने से पहले भारत केवल 25-26 देशों से ऊर्जा आयात करता था लेकिन युद्ध के दौरान यह संख्या बढ़कर 40 से अधिक देशों तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि संकट के दौरान कोशिशों को नाकाम किया। उन्होंने कहा कि जो लोग भारत को असफल होते देखना चाहते थे और ऐसी भविष्यवाणियां कर रहे थे, वे आज निराश होंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया के कई विकसित देशों में नई रिफाइनरियां नहीं बन रही हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका में पिछले 50 वर्षों में कोई नई रिफाइनरी नहीं बनी, यूरोप की रिफाइनिंग क्षमता लगातार घट रही है, जबकि भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रिफाइनिंग क्षमता वाला देश बन चुका है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में वर्ष 2018 से 2023 के दौरान कांग्रेस सरकार के समय पचपदरा रिफाइनरी का काम लगभग ठप पड़ा रहा लेकिन भाजपा सरकार ने परियोजना को गति दी। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकारें केवल शिलान्यास करके परियोजनाओं को नहीं छोड़ती बल्कि दिन-रात काम करके उन्हें पूरा भी करती हैं। दो महीने पहले यहां हुई दुर्घटना को का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके बावजूद परियोजना का पूरा होना परिश्रम की पराकाष्ठा का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि चुनौती चाहे कितनी भी बड़ी और अप्रत्याशित क्यों न हो, नया भारत न अपने संकल्पों से पीछे हटता है और न अपनी रफ्तार कम करता है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान उन्हें 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत खेजड़ी का पौधा लगाने का अवसर मिला।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में बड़े लोगों को बचाया जा रहा, सरकार जवाब दे : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी मामले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये के इस कथित घोटाले में केवल छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है, जबकि जिम्मेदार बड़े लोगों को बचाया जा रहा है। पार्टी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को पत्रकार वार्ता में उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा ह्यमोनाहू ने कहा कि राम मंदिर में हुई कथित चढ़ावा चोरी ने देशभर के रामभक्तों की भावनाओं को आहत किया है। इस मामले में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारियों की भूमिका पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर का निर्माण उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सरकार की देखरेख में गठित ट्रस्ट के माध्यम से हुआ था। ऐसे में केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकती। ट्रस्ट से जुड़े जिम्मेदार लोगों के



खिलाफ अब तक प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं की गई है। आराधना मिश्रा ने कहा कि जिन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है, उनकी नियुक्ति ट्रस्ट की ओर से उपलब्ध कराई गई सूची के आधार पर भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से एजेंसी द्वारा की गई थी। नियुक्ति प्रक्रिया और पृष्ठभूमि की जांच से जुड़े सवालों पर भी जवाब नहीं दिया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि करोड़ों के चढ़ावे की कथित चोरी का मामला सामने आने के बावजूद प्रवर्तन निदेशालय, आयकर विभाग और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो जैसी एजेंसियों की कोई सक्रियता दिखाई नहीं दे रही है। मामले की जांच केवल छोटे कर्मचारियों तक सीमित रखी जा रही है।

मूसलाधार बारिश से मुंबई में जनजीवन अस्त व्यस्त

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई, ठाणे, कल्याण, रायगढ़ और पालघर में शनिवार को सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से लोगों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। सुबह से दोपहर तक लगातार हुई तुफानी तेज बारिश ने सैकड़ों पेड़ों को उखाड़ फेंका। कई निचले इलाकों में पानी भर गया है और सड़कें लबालब हो गई हैं। यहां तक मुंबई की लाईफलाइन कहीं जाने वाली लोकल ट्रेन भी प्रभावित हुई है। मुंबई सहित महाराष्ट्र में पिछले चार दिनों से बारिश हो रही है, लेकिन बारिश ने आज सुबह से अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू किया। इससे मुंबई, ठाणे, कल्याण, पालघर

आदि शहरों के निचले इलाकों में जलभरण हो गया। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से सड़कों, सोसाइटियों और घरों में पानी घुसने से लोगों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राउंड फ्लोर पर बने घरों में पानी घुसने से फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान और घर का दूसरा सामान बुरी तरह खराब हो गया है। कई परिवारों को रातों-रात अपना सामान सुरक्षित जगहों पर ले जाना पड़ा। सड़कों पर पानी भरने की वजह से गाड़ियों का आना-जाना भी काफी हद तक प्रभावित हुआ है। कई ड्राइवरो को पानी से होकर निकलना पड़ रहा है। कुछ जगहों पर गाड़ियों फंसने की



घटनाएं भी हुई हैं। इस वजह से, सुबह काम पर जाने वाले नाग इलाके के लोगों ने प्रशासन से तुरंत पानी निकालने की मांग की है। लोगों का कहना है कि चूंकि इस तरह से बार-बार पानी जमा हो रहा

है, इसलिए पक्का ड्रेनेज सिस्टम बनाने की जरूरत है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी रखी है। इसलिए, लोकल प्रशासन अलर्ट हो गया है,

और इमरजेंसी सिस्टम तैयार रखे गए हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे बिना वजह घरों से बाहर न निकलें, पानी वाले इलाकों से न गुजरें, और प्रशासन के निर्देशों का पालन करें। मौजूदा हालात को देखते हुए, अगर बारिश का जोर इसी तरह जारी रहा, तो मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के निचले इलाकों में पानी का जमाव और बढ़े की संभावना है। इसलिए, लोगों को अलर्ट रहने और जरूरी सावधानी बरतने की जरूरत है। शनिवार को मुंबई और ठाणे में मौनसून की भारी बारिश हुई, जिसमें पवई में सिर्फ तीन घंटे में 67.8 एमएम बारिश दर्ज की गई। कई पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में

50 एमएम से ज्यादा बारिश हुई है। ट्रॉमा हॉस्पिटल (51.8 एमएम), वसोर्वा (50.2 एमएम), मालवानी फायर स्टेशन (44.8 एमएम) और बनाना लीफ व जुहू डिसेंसरी (43.8 एमएम) शामिल हैं। इसी तरह कोलाबा पॉपिंग स्टेशन में 28.0 एमएम,रावली कैंप में 27.94 एमएम और ठाणे में 77.18 एमएम बारिश दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज मुंबई, ठाणे और आस-पास के जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और अगले कुछ दिनों में मध्यम से भारी बारिश होने का अनुमान जताया है। इस चेतावनी के बाद जिला प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखा गया है।